संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -312 शुक्रवार ,15 सितम्बर 2023, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

कुछ चैनल और एंकर होंगे बहिष्कृत

इंडिया गठबंधन की समन्वय समिति की बैठक में किया गया फैसला

नई दिल्ली,14 सितम्बर 2023(ए)। इंडिया गठबंधन के नेताओं ने तय किया है कि वो अपने नेताओं और प्रवक्ताओं को कुछ टीवी एंकर्स के शो में भेजना बंद करेंगे। विपक्षी दलों के नेता अक्सर कुछ टीवी एंकर्स पर बीजेपी और आरएसएस का समर्थन करने का आरोप लगाते रहे हैं। राहुल गांधी भी कई बार मीडिया पर तंज़ कसते हुए दिखे थे।
दिल्ली में शरद पवार के घर पर हुई बैठक के बाद साझा बयान जारी कर कहा गया, समन्वय समिति ने ऐसे टीवी एंकर्स के नामों की लिस्ट तैयार करने के लिए कहा है, जिनके शो में इंडिया गठबंधन के नेता नहीं जाएंगे।÷ ये संभवतः पहली बार है, जब विपक्षी दलों ने सत्ता की तरफ़दारी करने वाले पत्रकारों को निशाना बनाने का फ़ैसला किया है।

तीन मीडिया घरानों का पूरी तरह बहिष्कार

बताया जा रहा है कि कुछ टीवी चैनलों का पूरी तरह से बहिष्कार होगा और कुछ चैनलों के सिर्फ़ एंकर्स का। विपक्षी दलों के बीच इस बात को लेकर सहमति है कि कम से कम तीन मीडिया घरानों से किसी तरह का कोई नाता नहीं रहेगा। विपक्षी दलों का आरोप है कि ये न्यूज़ चैनल बीजेपी और आरएसएस के लिए काम करते हैं।

पवन खेड़ा ने ट्वीट जारी कर एंकरों के नाम गिनाये

इंडिया गठबंधन ने भले एंकरों के नाम पीसी में उजागर नहीं किये, मगर कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने ट्वीट जारी कर बताया है कि गठबंधन ने कुल 14 एंकरों के बहिष्कार का फैसला भी किया है। इनमें ये नाम शामिल हैं...

- अमन चोपड़ा (न्यूज़ 18)
- अमीश देवगन (न्यूज़ 18)
- अदिति त्यागी (भारत एक्सप्रेस)
- चित्रा त्रिपाठी (आज तक)
- रुबिका लियाकत (भारत 24)
- गौरव सावंत (इंडिया टुडे)
- प्राची पाराशर (इंडिया टीवी)
- आनंद नरसिम्हन (न्यूज़ 18)
- सुशांत सिन्हा (टाइम्स नाऊ नवभारत)
- शिव अरूर (इंडिया टुडे)
- सुधीर चौधरी (आज तक)
- अशोक श्रीवास्तव (डीडी न्यूज़)
- नाविका कुमार (टाइम्स नाऊ)
- अर्णब गोस्वामी (रिपब्लिक भारत)

रेल अफसर के घर से मिले 2.64 करोड़ का कैश

राजघाट,14 सितम्बर 2023(ए)। सीबीआई ने रिश्वतखोरी के आरोप में पूर्वोत्तर रेलवे के प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक (पीसीएमएम) केसी जोशी को गिरफ्तार कर करीब 2.64 करोड़ की नगदी बरामद की है। गोरखपुर से नोएडा तक एक साथ हुई कार्रवाई में भ्रष्टाचार से जुड़े दस्तावेज भी बरामद हुए हैं. आरोपी अफसर का मोबाइल फोन फाइलें और हार्डडिस्क को सीबीआई ने कब्जे में ले लिया है। उधर, केसी जोशी को सीबीआई अदालत में पेश किया गया. अदालत ने 15 सितंबर तक के लिए पुलिस कस्टडी रिमांड को मंजूरी कर दिया। इस अवधि में सीबीआई उनसे पूछताछ करेगी।
राजघाट थाना क्षेत्र के अलहदादपुर निवासी प्रणव त्रिपाठी ने सीबीआई के एंटी करप्शन ब्रांच,लखनऊ के एसपी से 9 सितंबर को शिकायत की थी. उन्होंने बताया था कि उनकी फर्म सूक्ति एसोसएटी जेम पोर्टल पर पंजीकृत है। उनकी फर्म को रेलवे में आपूर्ति का एक ठेका मिला है, जिसकी वैधता 15 जनवरी 2024 तक है। प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक ही पूर्वोत्तर रेलवे में खरीद और आपूर्ति के सर्वेसर्वा हैं।
उन्होंने उनकी फर्म का जेम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन रद्द करने के लिए लिख दिया है. उन्होंने धमकी दी है कि सात लाख रुपये रिश्वत नहीं दी तो जेम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के साथ चालू टेंडर भी रद्द करा देंगे। शिकायत दर्ज कर सीबीआई ने प्राथमिक छानबीन की. भ्रष्टाचार का मामला पुख्ता होने के बाद सीबीआई की दो टीमें मंगलवार की शाम को गोरखपुर व एक टीम नोएडा पहुंची. गोरखपुर में घूस के तीन लाख लेकर प्रवण को पीसीएमएम के सरकारी आवास पर भेजा और कुछ ही देर में सीबीआई भी जा पहुंचे। यहां अफसरों ने तीन लाख नकदी बरामद करते हुए केसी जोशी को बैठा लिया।

भाजपा नेता को महिलाओं ने चप्पलों से जमकर पीटा

» फाड़े कपड़े,जमकर हुआ बवाल

फिरोजाबाद ,14 सितम्बर 2023(ए)। एक भाजपा नेता को महिलाओं से चप्पलों से पीटा. फिरोजाबाद में धर्मशाला की भूमि पर अवैध कब्जे के मामले में गए भाजपा नेता की महिलाओं पिटाई कर दी। यही नहीं उनके कपड़े फाड़ दिए. इस दौरान एक युवक का सिर फट गया. मौके पर पुलिस के साथ पहुंचे एसडीएम ने मामला शांत कराया।
टूंडला के स्टेशन रोड पर सिटी सेंटर के सामने धर्मशाला की जमीन पर कब्जे को लेकर विरोध चल रहा है। इसी को लेकर बुधवार दोपहर साढ़े बारह बजे करीब सविता समाज के कुछ लोग भाजपा नेता के विरोध करने पहुंचे थे। तभी वहां मौजूद महिला-पुरुषों से विवाद हो गया और जमकर लाठी-डंडे चलने लगे. इससे वहां अफरा-तफरी मच गई. इस दौरान कई लोग घायल हो गए. मामले में टूंडली निवासी नवल किशोर दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि सविता समाज की धर्मशाला पर कुछ लोग जबरन कब्जा कर रहे थे।
इसको लेकर वह समाज के रघुराज सिंह, सुशील सविता, बृजमोहन, रोहित दयाल, लोकेंद्र सिंह पौनियां, प्रवीन सभासद के साथ मौके पर पहुंचे थे। वह उन्हें राकेश कुमार, प्रदीप कुमार आदि को समझा रहे थे, तभी उन्होंने लाठी, डंडों से हमला बोल दिया. जान से मारने की नीयत से उनका गला दबा दिया। बचाने आए भाजपा सह प्रमुख मीडिया ओबीसी मोर्चा बृजक्षेत्र व जिला सहकारी क्रय-विक्रय समिति के चेयरमैन मुकेश धामा को सड़क पर गिराकर चप्पलों से पीटा, उनके कपड़े फाड़ दिए. इतना ही नहीं उनकी हत्या का प्रयास किया गया।
इस दौरान जमकर हंगामा हुआ तथा स्टेशन रोड पर जाम के हालात हो गए. पुलिस के पहुंचने पर आरोपी मौके से भाग गए. एसडीएम सत्येंद्र सिंह, तहसीलदार निशा श्रीवास्तव भी पहुंच गईं। इस दौरान पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है. मामले में नवकिशोर ने राकेश कुमार, प्रदीप, दिनेश, सुनहरी लाल, अशोक कुमार, राहुल, रामप्रकाश, लाला, बंटी, बंटी का भाई, व कुछ अज्ञात महिला, पुरुषों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है।

शहीद डीएसपी का पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटा पहुंचा घर

» दो साल की बेटी की आंखों में आंसू

» एक साल पहले हुई शादी,2 माह की बेटी

» अनंतनाग मुठभेड़ में शहीद हुए डीएसपी हुमायूं भट्ट,

» जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप के डीएसपी

नई दिल्ली,14 सितम्बर 2023(ए)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में आतंकियों के साथ दो मुठभेड़ों में तीन अधिकारी और दो जवान शहीद हो गए। साथ ही एक जवान लापता है। शहीद अधिकारियों में सेना के एक कर्नल, एक मेजर और एक पुलिस डीएसपी शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप के डीएसपी हुमायूं भट्ट के परिवार में उनकी पत्नी और दो महीने की बेटी है। पिछले साल ही उनकी शादी हुई थी।
डीएसपी हुमायूं भट्ट पूर्व डीआइजी गुलाम हसन भट्ट के बेटे थे और पुलवामा जिले के त्राल के रहने वाले थे। उनका परिवार अब श्रीनगर हवाई अड्डे के पास हुमहामा में एक वीआईपी कॉलोनी में रहता है। अधिकारियों ने कहा कि दो महीने की बच्ची के पिता और जम्मू-कश्मीर पुलिस के सेवानिवृत्त महानिरीक्षक गुलाम हसन भट्ट के बेटे हुमायूं भट्ट की रक्तस्राव से मृत्यु हो गई।कर्नल सिंह ने अपनी टीम का नेतृत्व किया और आतंकवादियों पर हमला कर दिया। हालांकि आतंकियों ने उन पर गोलियां चला दीं और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि मेजर आशीष और डीएसपी भट्ट को भी गोलियां लगीं और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। दो महीने की बच्ची के पिता और जम्मू-कश्मीर पुलिस के सेवानिवृत्त महानिरीक्षक गुलाम हसन भट्ट के बेटे हुमायूं भट्ट की रक्तस्राव से मौत हो गई।मिली जानकारी के मुताबिक गादुल में दो से तीन आतंकियों को देखा गया और उन्हें घेर लिया गया। इस ऑपरेशन को सेना और पुलिस की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया। ऑपरेशन का नेतृत्व कर्नल सिंह ने किया।

भाई की जगह बहन को नहीं मिल सकती अनुकंपा नियुक्ति

बेंगलुरु,14 सितम्बर 2023(ए)। कर्नाटक हाईकोर्ट में अपने हालिया फैसले में कहा है कि भाई की मौत हो जाने पर उसकी बहन को अनुकंपा के आधार पर नौकरी नहीं दी जा सकती। इसके साथ ही कोर्ट ने साफ कर दिया कि शादीशुदा भाई के परिवार का हिस्सा नहीं है बहन। हाई कोर्ट ने कर्नाटक सिविल सेवा नियम 1999 के तहत बहन को परिवार में शामिल नहीं किया है. कर्नाटक हाई कोर्ट में एक महिला की अर्जी को खारिज कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार महिला के भाई की मृत्यु वर्ष 2016 में ड्यूटी के दौरान हो गई थी। दरअसल नियम के मुताबिक अगर किसी सरकारी कर्मचारी की मृत्यु ड्यूटी के दौरान हो जाती है तो उसकी नौकरी परिवार के किसी सदस्य को ट्रांसफर कर दी जाती है।

बहन नहीं होती है परिवार का हिस्सा

इसके बाद महिला ने अपनी अर्जी में भाई के स्थान पर नौकरी की मांग की थी. लेकिन हाई कोर्ट ने महिला की समाज को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि बहन फैमिली की डेफिनिशन में नहीं आती है।

एयरपोर्ट पर प्राइवेट जेट दुर्घटनाग्रस्त

दो टुकड़ों में बंटा प्लेन, पायलट समेत 8 लोग थे सवार

मुंबई,14 सितम्बर 2023(ए)। मुंबई एयरपोर्ट पर गुरुवार को एक बड़ा हादसा हो गया है। छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे पर लैंड करने की कोशिश कर रहा एक प्राइवेट जेट आज शाम को सीधे क्रैश कर गया। रनवे पर क्रैश करते ही प्लेन दो टुकड़ों में बंट गया। विमान के अंदर पायलट समेत 8 लोग सवार थे। फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई हैं। विशाखपटनम से मुंबई के लिए उड़ान भरने वाला वीएसआर वेंचर्स लियरजेट 45 विमान वीटी-डीबीएल मुंबई हवाई अड्डे पर रनवे 27 पर उतरते समय फिसल गया।

मध्य प्रदेश को हिलाकर रख देने वाली हनीट्रैप कांड की कथित सरगना

आरती दयाल चोरी के मामले में गिरफ्तार

बेंगलुरु,14 सितम्बर 2023(ए)। कर्नाटक पुलिस ने चार साल पहले मध्य प्रदेश को हिलाकर रख देने वाले हनी ट्रैप कांड की कथित सरगना आरती दयाल को चोरी के एक मामले में बेंगलुरु से गिरफ्तार किया है। उसके रूममेट द्वारा 10 लाख रुपये के गहने और नकदी की चोरी की शिकायत के बाद बेंगलुरु की महादेवपुरा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शिकायत 6 सितंबर को दर्ज की गई और पूछताछ के बाद आरोपी महिला को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। चेन्नई में फरार चल रहे आरोपी का पता लगाया गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी स्पॉ सेंटरों में थेरेपिस्ट के तौर पर काम करती थी और एक सहकर्मी के कमरे पर रुकती थी। गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ के दौरान पुलिस को आरोपी की पृष्ठभूमि के बारे में पता चला।

कर्नाटक पुलिस ने सरगना की गिरफ्तारी की सूचना मध्य प्रदेश पुलिस विभाग को दे दी है। पुलिस बेंगलुरु में अन्य अपराधों में उसकी संलिप्तता की जांच कर रही है। पुलिस ने आरती, सोनू, सामंथा, अग्रवाल बनकर चेन्नई और अन्य शहरों में स्पॉ में काम करने वाले आरोपियों के बारे में भी जानकारी जुटाई है। हनी ट्रैप कांड 2019 में सामने आया था जब मध्य प्रदेश पुलिस ने इंदौर नगर निगम से जुड़े एक इंजीनियर को हनी ट्रैप में फंसाने के मामले में आरोपी की सहयोगी श्वेता को गिरफ्तार किया था। बाद की जांच में पता चला कि आरती दयाल के गिरोह ने सरकारी अधिकारियों, राजनेताओं और प्रभावशाली व्यक्तियों को निशाना बनाया और हनी ट्रैप ऑपरेशन को अंजाम दिया। राजनेताओं के वीडियो भी सामने आए, जिससे यह राष्ट्रीय खबर बन गई। दयाल को 2020 में अदालत से जमानत मिल गई। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने हाल ही में सरकारी वकील से आरोपी के ठिकाने के बारे में पूछताछ की थी क्योंकि वह रडार से दूर हो गई थी। अदालत ने सवाल किया था कि आरोपी आरती दयाल जीवित है या मृत।

बीजेपी का नहीं सनातन धर्म का समर्थन करता हूँ

» स्वामी रामभद्राचार्य बोले- जिसे सनातन से प्रेम नहीं वह मुझे प्रिय नहीं

» एमएलए-एमपी नहीं बनना, हम जीवन भर के लिए मेंबर ऑफ परमात्मा

सिवनी,14 सितम्बर 2023(ए)। मध्य प्रदेश के सिवनी में जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मैं भारतीय जनता पार्टी का नहीं बल्कि सनातन धर्म का समर्थन करता हूं। उन्होंने कहा कि मुझे एमएलए-एमपी नहीं बनना, हम जीवन भर के लिए मेंबर ऑफ परमात्मा हैं।
दरअसल, 9 से 17 सितंबर तक सिवनी जिले के पॉलीटेक्निक कॉलेज ग्राउंड में जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी की राम कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने कहा कि 'मैं बीजेपी का समर्थन नहीं करता' 'मैं सनातन धर्म का समर्थन करता हूं।' उन्होंने कहा कि 'जो सनातन धर्म से प्रेम करें व मुझे प्रिय है', 'जो सनातन धर्म से प्रेम नहीं करेगा वह मुझे प्रिय कभी हो नहीं सकता।

साथ ही कहा कि मुझे कोई विधायक और सांसद नहीं बनना हैं। लोग तो पांच साल के लिए सांसद होते है, हमने जब से घर द्वार छोड़ा तबसे भगवान के एमपी है। हम जीवन भर के लिए मेम्बर ऑफ परमात्मा है। सांसद का चुनाव जनता करती है, हमारा चुनाव जनार्दन करते हैं।
आपको बता दें कि कल बुधवार को कथावाचक रामभद्राचार्य ने मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को सनातन और अधर्म के बीच लड़ाई करार दिया था। उन्होंने कहा था कि चुनाव में बीजेपी (शिवराज सिंह चौहान) और कांग्रेस (कमलनाथ) नहीं लड़ रहे हैं। यहां सनातन धर्म और अधर्म लड़ रहे हैं। रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य ने मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को निर्णायक चुनाव बताया था। उन्होंने कहा था कि चुनाव में एक पक्ष सनातन धर्म है तो दूसरी ओर सनातन विरोधी।

गाय के दूध के कारण बच्चा पहुंचा वेंटिलेटर पर

ठाणे,14 सितम्बर 2023(ए)। गाय का दूध पिलाने के कारण गंभीर संक्रमण और एसिडोसिस से ग्रस्त होने के बाद दो महीने के एक शिशु को पीआईसीयू में वेंटिलेटर पर रखना पड़ा। मीरा रोड स्थित वॉकहार्ट अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया कि लगभग चार सप्ताह के उपचार के बाद उसे बचा लिया गया। दो महीने के अंश राऊत को सांस लेने में कठिनाई के कारण गंभीर हालत में अप्रैल के अंत में अस्पताल ले जाया गया जहां उसे बाल चिकित्सा आईसीयू में वेंटिलेटर पर रखा गया। उसका डायलिसिस भी करना पड़ा। वॉकहार्ट अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकित गुप्ता ने कहा कि बच्चा गंभीर स्थिति में था,

ऑक्सीजन का स्तर घटकर सिर्फ 80 रह जाने के कारण उसे सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। टीम ने पाया कि चूंकि मां पर्याप्त स्तनपान नहीं करा रही थी, इसलिए उसने बच्चे को गाय का दूध दिया जिसके कारण बच्चा बीमार पड़ गया। डॉ. गुप्ता ने कहा, ÷यह एक दुर्लभ स्थिति है। छोटे शिशुओं के लिए गाय या भैंस के दूध की सिफारिश नहीं की जाती है क्योंकि उनका पाचन तंत्र इसे पचाने में कठिनाई महसूस करता है, जिससे बैक्टीरिया की वृद्धि होती है जो शरीर के तरल पदार्थों में अमोनिया और अत्यधिक अम्लता को बढ़ाता है। बच्चे का पीएच स्तर 6.9 पर आ गया, जो सामान्य सीमा 7.4 से कम है और हालांकि उसे दवाएँ दी गई, लेकिन यह शरीर में उच्च एसिड स्तर को कम करने में विफल रही। डॉ. गुप्ता ने समझाया, उसके विषाक्त उपापचय अमोनिया का स्तर 700 से अधिक हो गया। इतनी अधिक अमोनिया का मस्तिष्क पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है। उसे एक सप्ताह तक डायलिसिस की आवश्यकता थी। मेथेमोग्लोबिन का स्तर सामान्य 1 के मुकाबले काफी बढ़कर 30 पर पहुंच गया। इसके संभावित हानिकारक प्रभावों में सांस लेने में कठिनाई, दौरे, हृदय की धड़कन में असामान्यताएं शामिल हैं।

निपाह वायरस का बढ़ा प्रकोप

2 दिन तक स्कूल बंद

नई दिल्ली,14 सितम्बर 2023(ए)। केरल में निपाह वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। खासकर कोझिकोड जिले में निपाह वायरस के कई केस मिले हैं। यहां इस वायरस से 2 लोगों की मौत हो गई है। इसके बाद अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन ने 7 ग्राम पंचायतों को कंटेनमेंट जोन बना दिया है। बताया जा रहा है कि, निपाह वायरस का 'बांग्लादेश वेरिएंट' केरल के कोझिकोड जिले में तेजी से फैल रहा है। इसका 5वां केस सामने आया है। इसके सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने अगले 2 दिन सभी शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया है।कोझिकोड की डीएम ए गीता ने कहा कि 2 दिन सभी स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे। शैक्षणिक संस्थान छात्रों के लिए दो दिनों में ऑनलाइन कक्षाओं की व्यवस्था कर सकते हैं। हालांकि विश्वविद्यालय परीक्षा कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं होगा। इस बीमारी में फिलहाल मोनोक्लोनल एंटीबॉडी ही निपाह वायरस संक्रमण का एकमात्र इलाज उपलब्ध है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की ओर से संक्रमित लोगों के इलाज के लिए मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज आज उपलब्ध करा दी जाएगी।

सिर्फ इन दुकानों को खोलने की इजाजत

वहीं, कोझिकोड में लगातार बढ़ते मामलों के बाद प्रशासन ने 7 पंचायतों में सभी शिक्षण संस्थान, आंगनबाड़ी केंद्र, बैंक और सरकारी संस्थानों को बंद रखने का आदेश दिया है। प्रशासन की ओर से कहा गया कि सुबह 7 से शाम पांच बजे तक सिर्फ दवाइयां और जरूरी चीजों की दुकानें ही खोलने की इजाजत है।

राधाचरण सेठ को मिली 14 दिन की न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली,14 सितम्बर 2023(ए)। जेडीयू एमएलसी राधाचरण सेठ की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। ईडी ने जेडीयू एमएलसी राधाचरण सेठ को राजधानी पटना के एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश किया है, जिसके बाद उन्हें 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। हालांकि, इसके बाद जेडीयू एमएलसी राधाचरण सेठ ने सीने में दर्द की शिकायत की, जिसके बाद वे जेल डॉक्टर से एग्जामिन के बाद जेल के मेडिकल वार्ड में रहेंगे और अगर फिर उन्हें स्वास्थ्य संबंधित कोई समस्या होती है तो आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी।

संपादकीय

इरादा पूरा कैसे होगा?

आईएमईसी की घोषणा के साथ प्रश्न उठा कि इसकी फंडिंग का सिस्टम क्या होगा, टेक्नोलॉजी और सामग्रियां कौन उपलब्ध कराएगा, परियोजनाओं पर अमल कौन-सी कंपनियां करेंगी और प्रोजेक्ट तैयार होने पर उनका प्रबंधन कौन करेगा?

नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान एक महत्त्वपूर्ण पहल यह हुई कि भारत से पश्चिम एशिया होते हुए पूर्वी यूरोप तक एक आर्थिक गलियारा बनाने का एलान हुआ। इसे इंडिया- मिडल ईस्ट- यूरोप कॉरिडोर (आईएमईसी) नाम दिया गया है। इरादा यह है कि इस पूरे क्षेत्र को जोड़ने के लिए रेल और जल मार्गों का विकास किया जाएगा। विभिन्न देशों के बीच बंदरगाहों को जोड़ा जाएगा, जिससे कारोबार आसान हो जाएगा। अमेरिकी पहल पर हुए इस करार की जब घोषणा हुआ, तो सहज ही इसके पहले की अमेरिका की दो बड़ी घोषणाएं याद आईं। राष्ट्रपति बनने के कुछ महीनों के बाद ही राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बिल्ड बैक बेटर वर्ल्ड नाम से इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण की महत्त्वाकांक्षी परियोजना शुरू करने का एलान किया था। मौका जी-7 का शिखर सम्मेलन था। तब उन्होंने कहा था कि इसके लिए निजी क्षेत्र से 200 बिलियन डॉलर की रकम जुटाई जाएगी। साल भर बाद यानी 2022 के जून में जब जी-7 देशों के नेता फिर मिले, तो बाइडेन ने इस परियोजना का नाम बदल कर ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड इन्वेस्टमेंट करने का एलान किया। फिर 200 बिलियन डॉलर जुटाने की बात कही। अब 2023 के सितंबर में इस प्रोजेक्ट ने उन्होंने एक बार फिर 200 बिलियन डॉलर जुटाने की बात दोहराई।

जाहिर है, ये प्रोजेक्ट कहीं नहीं पहुंचा है। इसीलिए आईएमईसी की घोषणा के साथ प्रश्न उठा कि इसकी फंडिंग का सिस्टम क्या होगा, टेक्नोलॉजी और सामग्रियां कौन उपलब्ध कराएगा, परियोजनाओं पर अमल कौन-सी कंपनियां करेंगी और प्रोजेक्ट तैयार होने पर उनका प्रबंधन कौन करेगा? ये प्रश्न इसलिए अहम हैं, क्योंकि जो देश इसमें शामिल हुए हैं, उनके पास ऐसी उत्पादक क्षमताओं का अभाव है, जिससे इतने बड़े पैमाने पर किसी योजना को लागू किया जा सके। फिर निजी क्षेत्र की भूमिका समस्याग्रस्त है, क्योंकि बड़ी सब्सिडी या तुरंत मुनाफे की आस ना होने पर इस क्षेत्र की कंपनियों की कोई दिलचस्पी नहीं रहती। चीन बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को इसलिए लागू कर पाया है, क्योंकि उसके पास सार्वजनिक क्षेत्र और उत्पादक अर्थव्यवस्था है। यह बात खुद जो बाइडेन और उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन स्वीकार कर चुके हैं।

हिंदी देश के स्वाभिमान की भाषा

स्वाधीनता संग्राम में हिंदी भाषा की अहम भूमिका

देश की स्वतंत्रता के 75 साल गुजर जाने के बाद भी हिंदी भाषा को अभी तक राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं दिया गया है। पर यह सत्य है कि हिंदी को राष्ट्रभाषा होने का स्वमेव गौरव प्राप्त है वैश्विक स्तर पर हिंदी का परचम लहरा रहा है और हिंदी को किसी मान्यता प्राप्त होने की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है।

किंतु औपचारिक रूप से सरकार को चाहिए हिंदी को राष्ट्रभाषा का उसका अपना गौरव प्रदान करें। राष्ट्रभाषा बनने के साथ-साथ इतनी समृद्ध शाली, ऐतिहासिक हिंदी भाषा को कम से कम देश के हर प्रांत को एकता के सूत्र में बांधने वाली जन भाषा होनी ही चाहिए। अलग-अलग प्रदेशों कि स्थानीय मूल बोलियों, भाषाओं का हम कतई विरोध नहीं करते पर हिंदी को भारत में कम से कम सर्वोच्च सम्मान देकर राष्ट्रभाषा होने का गौरव हासिल होना ही चाहिए साथ ही स्थानीय भाषाओं से ऊपर हिंदी को जन भाषा का यथोचित सम्मान प्राप्त होना हो।

यह अलग बात है कि भारत देश में अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग भाषाएं बोली जाती है और स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने 22 भाषाओं को संवैधानिक रूप से मान्यता प्रदान की है, पर हमारी हिंदी सर्वाधिक बोली जाने वाली तथा लिखी जाने वाली भाषा है। देश में हिंदी बोलने तथा पढ़ने वालों की संख्या लगभग 65 से 70 करोड़ है, यह भाषा की बहुलता ,विविधता ही है जिसके कारण भाषाई विवाद की स्थिति उभरी है, और सर्वाधिक नुकसान हिंदी को उठाना पड़ा है। वर्ष 2008 में विश्व हिंदी सम्मेलन न्यूयॉर्क (अमेरिका) में भारतीय साहित्यकारों, कवियों को चिंतकों ,प्रोफ़ेसर, चिंतकों, पत्रकारों ने बड़े जोर शोर से संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकारिक भाषा बनाने हेतु मान्यता देने के लिए पुरजोर कोशिश की थी। कोशिश तो हमेशा ही की जानी चाहिए और यह बड़ी ही सार्थक पहल भी थी, पर इसके पूर्व भारत के हिंदी साहित्य के विद्वानों को हिंदी को पहले अपने देश में राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलवाने के लिए प्रयास किया जाना चाहिए। भारतेंदु हरिश्चंद्र जी ने भी कहा है,

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति के मूल।
बिनु निज भाषा ज्ञान के मिटत ना हिय को शूल।

देश में भाषाई विविधता के कारण हिंदी को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा है ।इसके अलावा कुछ स्वार्थी राजनीतिक के लोग नहीं चाहते कि हिंदी को सर्वोच्च सम्मान मिले और इसके लिए विभिन्न प्रकार के विरोध एवं आंदोलन भी करते रहे हैं, इसके अलावा लोगों को उकसा कर जन आंदोलन का रूप भी देने का प्रयास करते रहे हैं जो अत्यंत निंदनीय है।

देश के स्वतंत्रता आंदोलन में भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में यह महसूस किया था कि हिंदी दक्षिण भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर सबसे ज्यादा लोगों की संपर्क भाषा थी। देश के विभिन्न भाषा भाषी लोग हिंदी भाषा में ही संपर्क कर के अपने संदेश तथा सूचना एक दूसरों को प्रदान किया करते थे,और हिंदी भाषा के संपर्क सूत्रों के चलते ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अथक मेहनत कर हिंदी की सहायता से स्वतंत्रता प्राप्त की थी। हिंदी की सार्वभौमिक स्थिति एवं बड़े समुदाय द्वारा बोले जाने वाली भाषा के रूप में स्थापित होने के बाद इसे राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया गया था। हिंदी एक व्यापक भाषा है जिस की लिपि देवनागरी होने के कारण अत्यंत सरल एवं आवश्यकता अनुसार दूसरी भाषाओं को और उनके शब्दों को बड़ी सुगमता से आत्मसात करने की क्षमता तथा विशालता है। हिंदी देशवासियों की भावनात्मक भाषा भी है इसका देश की एकता तथा अखंडता में एक का बड़ा योगदान रहा है। हिंदी एक बड़ी सक्षम तथा विशाल भाषा का दर्जा भी रखती है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी ने भी कहा कि हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिस जिस ने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का बहिष्कार नहीं किया।

14 सितंबर 1949 को संविधान की सभा ने एकमत से हिंदी को भारत की राजभाषा बनाए जाने का निर्णय भी लिया इसीलिए भारत में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने का संकल्प लिया गया। हिंदी दिवस मनाए जाने का एकमात्र उद्देश्य इसके व्यापक प्रचार-प्रसार एवं राजकीय प्रयोजनों में इसके ज्यादा से ज्यादा उपयोग को बढ़ावा देने का है। केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में देखा गया है कि वहां पर स्लोगन दीवारों पर लिखे गए हैं कि हिंदी का उपयोग लिखने एवं पढ़ने के लिए ज्यादा से ज्यादा करें। विडंबना यह है कि भारत में ही हिंदी के प्रचार-प्रसार की हमें आवश्यकता पड़ रही है। यद्यपि ऐसा होना नहीं चाहिए। हिंदी को राष्ट्रभाषा बना कर इसका अनिवार्य रूप से उपयोग शासकीय कार्यालयों तथा जनसभाओं में किया जाना चाहिए देश के पूरे प्रदेशों में इसको समान रूप से स्वीकृत भाषा का दर्जा दिया जाना चाहिए। हमने इंग्लैंड, अमेरिका, स्विजरलैंड और अन्य देशों की यात्राएं भी है पर वहां कहीं भी उनकी अपनी भाषा के उपयोग के लिए कार्यालय में स्लोगन लिखा जाना नहीं देखा गया,तो भारत में ही क्यों। सवाल इसलिए उठता है कि हमारे दक्षिण तथा कुछ अन्य राज्यों में हिंदी को हिकारत की नजर से देख कर हिंदी वासियों से दूरी बनाई रखी जाती है। यह भी हिंदी भाषा तथा देश के लिए विडंबना ही है। एनी बेसेंट ने बिल्कुल सच कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं में जो भाषा सर्वाधिक प्रभावशाली बन कर उभरी है वह है हिंदी भाषा। जो व्यक्ति हिंदी जानता है पूरे भारत की यात्रा कर सकता है पर हिंदी बोलने वालों से हर तरह की जानकारी भी प्राप्त कर सकता है। हिंदी का बड़ा नुकसान अंग्रेजी भाषा ने भी किया है दक्षिण में स्थानीय भाषाओं के अलावा अंग्रेजी बहुतायत में बोली जाती है पर ना जाने क्यों हिंदी बोलने से बेशक परहेज करते हैं। सबको अपनी भाषा बोलने का अधिकार है पर हिंदी का अपमान करने का अधिकार देश में किसी को नहीं होना चाहिए। कई विद्वानों के सर्वे में यह तथ्य सामने आया है कि इस विश्व में हिंदी सर्वाधिक बोले जाने वाली भाषा है उसने अंग्रेजी भाषा को पीछे छोड़ दिया है। यह सर्वे की रिपोर्ट कितनी प्रमाणित है यह तो मालूम नहीं लेकिन निकट भविष्य में ऐसी संभावनाएं बन सकती है कि जब हिंदी वैश्विक भाषा बनकर तेजी से उभरेगी। हिंदी को राजभाषा से राष्ट्रभाषा बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर भी शासन ने अनेक योजनाओं को मूर्त रूप दिया है जिनमें कक्षाओं कवि सम्मेलन नाटकों संगोष्ठी में हिंदी अनुसंधान ओ हिंदी टंकण आदि के बढ़ावा देने के साथ हिंदी पत्र-पत्रिकाओं को भी आर्थिक सहायता प्रदान करने का प्रयास किया है ।दूसरी तरफ कंप्यूटर, इंटरनेट, ई बुक, विज्ञापन ,टेलीविजन तथा अन्य मीडिया के साधनों के क्षेत्र में हिंदी का अधिकतम उपयोग करने की समझाइश दी गई है, ताकि इसका विकास एवं संवर्धन किया जा सके। हिंदी भाषा भारत के अलावा मॉरीशस, फिजी, श्रीलंका जैसे देशों में बोली वह समझी जाती है। हिंदी के विशेष प्रचार प्रसार के लिए विश्व हिंदी सम्मेलन अलग-अलग देशों में आयोजित किए जाते रहे हैं। वैसे वैश्विक स्तर पर 10 जनवरी को हिंदी दिवस मनाने की परंपरा लागू की गई है। हिंदी के प्रचार प्रसार तथा संवर्धन के लिए 10 जनवरी 1975 को नागपुर में विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया गया पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी ने कहा था हिंदी का प्रचार और विकास अब कोई रोक नहीं सकता है।

संजीव ठाकुर
चौबे कॉलोनी,
रायपुर छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

तीजा पोरा के तिहार

आगे आगे आगे तीजा
पोरा के तिहार आगे
गुदगुद गुदगुद नांदिया बईला ला दौड़ाबो
चंउर ह तो मिले नई
रेती धुर्रा पीस पोरा चलाबो
हमर संस्कृति अउ तिहार मन
अइसने प्रकृति ले जुड़े हवे
बईला के पूजा किसान
मितानी के बात हवे
कीथे घलो की यही दिन
सुवा ह जनम धरथे
धान के फसल म यही दिन तो दूध भरथे
घोरवा चिला के मान अजब हे
तेकरे सती हमर तिहार गजब हे
पोरा तिहार के बिहनिया
ले दाई ल तेलइ बैठाबो
दीदी तीर फोन लगाके
तीजा लेबर आवत हों कहीके चेताबो
ठेठरी कुर्मी बड़ा सुहारी संग
गुजिया भजिया ला खाबो
भाई भैया संग बहिनी दीदी ला
तीजा लेवा के लाबो
आगे तिहार तीजा पोरा के
अब तो सल्हा तिहार मनाबो

लेमेंद्र साहू
(अनुराग)
परसदा (मोखा)
गुंडरदेही बालोद
छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

कविता

पर तू मुझे याद रखना।
सूर्य का तेज है तू,
चांद की शीतलता।
पवन सा वेग है तू,
अग्नि सा है तपा ।
आकाश सा अनंत तू ,
धीर है धरा सा।
पक्षियों का कलरव तू,
वीणा के तार सा ।
जल-थल-नभ में तेरी ही छाया है ।
तुझ बिन जहां में ,
प्राण कहाँ पाया है ।
जिधर देखती हूँ मैं
तेरी माया नजर आती हैं ।
नभ के तारों में झिलमिलाती हैं ।
मैं इस सृष्टि की,
क्षुद्र सा जीव हूँ।
तेरे रहमों-करम की छाया में हूँ।
हे नाथ!

गरिमा राकेश गौतम
जयपुर
राजस्थान

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

आओ हिन्दी अपनाए

माँ भारती के माथे की बिन्दी,
ऐसी भाषा हमारी हिन्दी।
सरस, सरल और प्राचीन,
प्रमुख भाषाओं में नामचीन।
संस्कृति संस्कारों को देती मान,
हिन्दी भाषा हमारा अभिमान।
परिपूर्णता की परिभाषा है,
उज्जवल भविष्य की आशा है।
हिन्दी सचमुच खास है,
विदेशियों को भी इसका एहसास है।
हिन्दी को मिली नई पहचान है,
नमस्ते भारत कहना हमारी शान है।
इससे झलकता है अपनापन,
सहज बनाती है ये जीवन ।
काम काज में इसे अपनाए,
हिन्दी का हम मान बढ़ाए।

सोनल सिंह सोनू
कोलिहापुरी,दुर्ग
छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

कपड़े उतरवाने वाला नहीं,सच्चा प्यार करने वाला चाहिए

आज के समय में जिस तरह हर युवा - युवती के बीच प्यार शब्द कों समझते हैं।
क्या वों सच्चा प्यार है????
जबाब हैं - नहीं
आखिर ऐसा क्यों लेखिका बोल रही हैं ऐसा सवाल सभी के मन में जरूर आ रहा होगा। आप सभी कों बता दें प्यार पहले के समय में भी किया जाता था और आज भी किया जा रहा है। मगर अभी प्यार सें छला जा रहा है।

वास्तविकता यह है कि लोग आज जरूरत के लिए प्यार करते हैं। मुझे कोचिंग आनें-जानें में दिक्कत हों रही थी तों बॉयफ्रेंड बना लिए अब वों हर रोज उसें लेकर जाता और लेकर वापस आता है। क्या यह प्यार हैं नहीं जरूरत थी। अब लड़का समझ रहा है कि लड़की प्यार कर रही हैं तों वों लड़का भ्रम में है। लड़की बस अपनी जरूरत की पूर्ती कर रही हैं, प्यार के नाम पर छल रही हैं। लड़कों की भी अपनी फिजिकल जरूरत होती हैं, वों लड़की सें मिलते, घुमाते, उन पर खर्च करते और अपनी फिजिकल जरूरतों कों पूरा करवाते। लड़कियों कों लगता है कि यें लड़का मुझे चाहता है, मेरे सपनों कों पूरा कर रहा हैं, इसलिए वों भी अपनी आबरूह लड़कों कों दे देती हैं। उनके सामनें निवस्त्र हों जाती हैं। लड़की कों क्या पता है कि वों प्यार नहीं, लड़का सिर्फ अपनी जरूरतों की पूर्ति कर रहा है।

इसकें अलावा अगर लड़का या लड़की किस भी एक नें जरूरत पूरी नहीं की तों एक नया शब्द ब्रेकअप बोलकर छोड़ देते हैं।
अब आप बताए क्या यह प्यार हैं ।
सच्चा प्यार करना इतना आसान है मगर लोगों के अदंर बेईमानी इतनी आ गई है तों कोई रिश्ता अब सच्चा नहीं लगता। जिसकें साथ सात जन्म साथ रहनें का वादा किया उसनें जरूरत की पूर्ति नहीं की तों छोड़ दिया। इसलिए प्यार करें तों निस्वार्थ अन्यथा ना करें। क्योकिं प्यार सें कितनी की जिदंगी खराब हों चूँकि है और कितने की आबाद हों गई।
सच्चा प्यार करें
और सच्चा जीवनसाथी चुनें...

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर
बिहार

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

अस्तित्व की चिंता में अकेले देवगौड़ा की नहीं

देश के सबसे ताकतवर क्षत्रपों में से एक रहे देश के पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस के संस्थापक एचडी देवगौड़ा ने अगले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के साथ तालमेल का ऐलान करते हुए बड़ी मार्मिक बात कही। उन्होंने कहा- मैंने यह फैसला अपनी पार्टी का अस्तित्व बचाने के लिए किया है। हालांकि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि भाजपा के साथ गठबंधन करने से उनकी पार्टी का अस्तित्व बच जाएगा। लेकिन ऐसे समय में, जब उनकी पार्टी अपने इतिहास का सबसे खराब प्रदर्शन करने के बाद बिखरने और समाप्त होने की कगार पर खड़ी है तो घनघोर निराशा के समय में उन्होंने यह फैसला किया। इस फैसले को दो स्पष्ट कारण हैं। पहला तो यह कि अब तक देवगौड़ा निर्विवाद वोक्कालिगा नेता थे और उनके परिवार का इस वोट पर एकाधिकार था। लेकिन कांग्रेस के डीके शिवकुमार के उभार ने परिवार का एकाधिकार तोड़ दिया है, जो इस साल मई में हुए विधानसभा चुनाव में दिखा। दूसरा कारण देवगौड़ा की उम्र और सेहत है। वे 90 साल के हो चुके हैं। उनको लग रहा है कि अगला लोकसभा चुनाव उनका आखिरी हो सकता है। उनके परिवार में भी सब कुछ ठीक नहीं है। दोनों बेटों- एचडी कुमारस्वामी और एचडी रेवन्ना के बीच सत्ता में हिस्सेदारी की खींचतान स्थायी है। अगर परिवार थोड़े समय और सत्ता से बाहर रहता है तो परिवार की एकता, पार्टी की एकजुटता और बचे हुए मतदाताओं का समर्थन बनाए रखना नामुमकिन हो जाएगा। उनकी यह चिंता जायज है कि अलग रहे तो भाजपा या कांग्रेस उनकी पार्टी और वोट बैंक दोनों को समाप्त कर देंगे।

सवाल है कि क्या यह चिंता अकेले एचडी देवगौड़ा की है? नहीं, यह चिंता देश के कई ताकतवर क्षत्रपों की है, जिनको लग रहा है कि उनको अपनी पार्टी का अस्तित्व बचाए रखने के लिए लीक से हट कर कुछ करना होगा या कोई साहसी फैसला करना होगा। अगला चुनाव कई प्रादेशिक पार्टियों के लिए अस्तित्व की लड़ाई वाला होगा। जितने भी प्रादेशिक क्षत्रप उम्र की ढलान पर हैं उनको इस बात की ज्यादा चिंता है। यह चिंता इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि भाजपा और कांग्रेस सहित दूसरी पार्टियों की नजर भी उनकी पार्टी और वोट आधार पर है। ऐसे क्षत्रपों में नीतीश कुमार, मायावती, शरद पवार, नवीन पटनायक और चंद्रबाबू नायडू का नाम मुख्य रूप से लिया जा सकता है।

कर्नाटक में जो स्थिति एचडी देवगौडा की पार्टी जेडीएस की है कमोबेश वही स्थिति बिहार में नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू की है। ये दोनों पार्टियां जनता परिवार की हैं और वीपी सिंह के आंदोलन के समय बनी जनता दल से निकली हैं। लेकिन ये पार्टियां जनता दल की तरह किसी वैचारिक आधार पर नहीं बनी हैं। जिस तरह कर्नाटक में देवगौड़ा ने वोक्कालिगा वोट के दम पर पार्टी बनाई और राजनीति की उसी तरह बिहार में नीतीश कुमार ने लालू यादव के यादव-मुस्लिम वोट की राजनीति के बरक्स लव-कुश यानी कुर्मी व कोईरी का नेतृत्व तैयार किया और बाद में धीरे धीरे इसके साथ गैर यादव अन्य पिछड़ी जातियों व दलितों को जोड़ने का काम किया। लंबी लड़ाई के बाद भाजपा की मदद से वे 2005 में लालू प्रसाद को सत्ता से बेदखल करने में कामयाब रहे। अब 18 साल के बाद वे अपनी पार्टी की चिंता में हैं क्योंकि उनकी पार्टी धीरे धीरे अपना वोट गंवाती जा रही है। निराशा व बेचैनी में वे इधर-उधर हाथ-पैर मार रहे हैं। उनको जितनी चिंता सत्ता में बने रहने की है उससे ज्यादा चिंता पार्टी बचाने की है। यह अच्छी बात है कि उन्होंने देवगौड़ा और लालू प्रसाद की तरह परिवारवाद नहीं किया। लेकिन बुरी बात यह है कि उन्होंने अपनी पार्टी में नेताओं की कोई दूसरी लाइन तैयार नहीं की। इसका नतीजा यह हुआ है कि उनकी पार्टी जिस सामाजिक आधार के दम पर टिकी है उसका प्रतिनिधित्व करने वाला कोई चेहरा उनकी पार्टी में नहीं है।

नीतीश कुमार ने कोईरी-कुर्मी का नेतृत्व नहीं पनपने देने की सोच में आरसीपी सिंह से लेकर उपेंद्र कुशवाहा और सम्राट चौधरी तक को इस्तेमाल किया और किनारे किया। इसी राजनीति की वजह से आज उनके बाद उनकी पार्टी में ललन सिंह, विजय चौधरी, संजय झा, विजेंद्र यादव या अशोक चौधरी जैसे नेता दूसरी कतार में गिने जाते हैं। इनमें से कोई भी जदयू के कोर वोट आधार का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। यही कारण है कि अक्सर यह चर्चा होती रहती है कि उनकी पार्टी का राजद में विलय हो जाएगा यानी पार्टी जहां से निकली थी वहीं चली जाएगी। पहले यह भी कहा जाता था कि भाजपा उनकी पार्टी को निगल जाएगी। भाजपा से उनके अलग होने का एक कारण यह भी था। भाजपा ने कुशवाहा नेता सम्राट चौधरी को प्रदेश की कमान सौंप कर नीतीश और उनकी पार्टी के लिए बड़ा खतरा पैदा कर दिया है। तभी उनके लिए अपनी पार्टी का अस्तित्व बचाए रखना बड़ी चिंता की बात हो गई है। हालांकि नीतीश फिनिक्स की तरह हर बार खड़े होते हैं लेकिन वह भी तभी होगा, जब उम्र और सेहत उनका साथ दे। उनकी उम्र भी 72 साल से ज्यादा हो गई है।

तीसरी क्षत्रप मायावती हैं, जिनकी पार्टी धीरे धीरे अप्रासंगिक होती जा रही है और जिनके सामने पार्टी का अस्तित्व बचाने का सवाल मुंह बाए खड़ा है। उनकी स्थिति देवगौड़ा और नीतीश दोनों से खराब है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य की चार बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती की पार्टी का सिर्फ एक विधायक है। लोकसभा सांसदों की संख्या जरूर 10 है लेकिन सबको पता है कि वह समाजवादी पार्टी के साथ तालमेल की वजह से है। उनका वोट आधार लगभग आधा हो गया है। चाहे जिस कारण से हो लेकिन उन्होंने न तो अपने परिवार के किसी सदस्य को पार्टी के नेता के तौर पर अधिकृत किया और न किसी दूसरे नेता को। उनकी पार्टी से जुड़े रहे तमाम पिछड़े, अति पिछड़े और दलित नेता या तो पार्टी छोड़ कर जा चुके हैं या हाशिए में हैं। लंबे समय से उनकी पार्टी के वोट आधार पर भाजपा की नजर थी। पिछले दो चुनावों से साफ दिख रहा है कि उनका वोट भाजपा की ओर शिफ्ट कर रहा है। उन्होंने अब जाकर अपने भाई आनंद कुमार के बेटे आकाश आनंद को अपने उत्तराधिकारी के तौर पर आगे किया है और पिछले महीने उनके नेतृत्व में महीने सर्वजन हिताए, सर्वजन सुखाए संकल्प यात्रा की शुरुआत की। उनके लिए भी अगला चुनाव आखिरी मौका होगा। अगर वे चुनाव से पहले सही फैसला नहीं करती हैं तो उनकी पार्टी के सामने भी अस्तित्व का संकट खड़ा होगा।

एनसीपी के संस्थापक शरद पवार का मामला थोड़ा अलग है। उन्होंने अपने भतीजे अजित पवार को उत्तराधिकारी के तौर पर आगे बढ़ाया था लेकिन बाद में उन्हें लगा कि उनकी मेहनत का फल उनकी बेटी सुप्रिया सुले को खाना चाहिए। बिल्कुल यही बात बाल ठाकरे ने भी महसूस की थी तभी अपना सहज उत्तराधिकारी माने जा रहे राज ठाकरे को छोड़ कर उन्होंने उद्धव ठाकरे को पार्टी की कमान सौंपी थी। बहरहाल, पवार अगर जिद छोड़ दें तो अजित पवार के नेतृत्व में उनकी पार्टी फलती-फूलती रहेगी। लेकिन अगर वे बेटी को नेता बनाने की जिद पर अड़े रहते हैं तो दोनों को नुकसान होगा। भाजपा और कांग्रेस फायदे में रहेंगे। सो, उन्हें भी अगले लोकसभा चुनाव में बहुत सोच-समझ कर फैसला करना होगा। ओडिशा में नवीन पटनायक की पार्टी भी बिना नेतृत्व के है। तमाम बड़े नेता पार्टी छोड़ चुके हैं और एक आईएएस अधिकारी के इशारों पर पार्टी चल रही है। जिस दिन पार्टी सत्ता से बाहर हुई या नवीन पटनायक नहीं रहे उस दिन पार्टी का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। चंद्रबाबू नायडू भी अस्तित्व के संकट से जूझ रहे हैं और भाजपा के साथ जाकर अस्तित्व बचाने का प्रयास कर रहे हैं। जिन प्रादेशिक क्षत्रपों ने पहले उत्तराधिकार तय कर दिया उनकी पार्टियां अब भी बची हुई हैं और आगे भी बची रहेंगी। इस श्रेणी में शिबू सोरेन, लालू प्रसाद, मुलायम सिंह यादव, करुणानिधि, प्रकाश सिंह बादल, के चंद्रशेखर राव आदि के नाम लिए जा सकते हैं।

-अजीत द्विवेदी-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

शिक्षा प्रणाली का स्तर बहुत अत्यधिक बढ़ गया है लेकिन विद्यार्थियों को और शिक्षित एवं कौशलवान बनने पर जोर देना चाहिए

मध्यप्रदेश के रीवा जिले के युवा समाजसेवी एवं गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय पत्रकारिता विभाग छात्र निखिल कुमार मिश्रा सरकार से निवेदन करते हुए कहते हैं की भारत में शिक्षा प्रणाली काफी अच्छी है जो हमेशा एक श्रेष्ठ प्रतिभाओं का निर्माण करती आयी है लेकिन इसे और अधिक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बदलना होगा वर्तमान समय में शिक्षा प्रणाली का स्तर बहुत अत्यधिक बढ़ गया है लेकिन विद्यार्थियों को और शिक्षित एवं कौशलवान बनने पर जोर देना चाहिए। ग्रामीण शहरी क्षेत्रों में शासकीय विद्यालय पर विशेष रूप से वह तमाम मूलभूत सुविधा उपलब्ध करवाना चाहिए जिससे एक विद्यार्थी समृद्ध कुशल और देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा प्रतिभाशील और समृद्ध हो। आज के बदलते समय और शिक्षा जीवन की मूलभूत आधार बन गई है हर एक शिक्षक अपने शिष्यों को अपने से ज्यादा कामयाब देखना चाहता है लेकिन कहीं ना कहीं कुछ कमियों के अभाव से वह वंचित रह जाते हैं सरकार के साथ सभी अतिथि पेरेंट्स का फर्ज है की एकजुटता के साथ शिक्षा प्रणाली पर जोर देते हुए शिक्षा पद्धति की और बढ़े और एक दूसरे को शिक्षित करें। निखिल कहते हैं देश प्रदेश नए आविष्कार समाज में सकारात्मक व्यक्तिगत स्तर पर समृद्ध होना चाहते हैं तो बेहतर शिक्षा पद्धति विद्यालय महाविद्यालय में उच्च गुणवत्ता वाले कोर्स उपलब्ध करा कर हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम तमाम बच्चों को शिक्षित किया जा सकता है। जो कौशल तो है लेकिन परिवार या आर्थिक तंगी इकोनॉमी के कारण विद्यार्थी पढ़ नहीं सकता वर्तमान समय में शिक्षा प्रणाली का स्तर अच्छा है लेकिन उसे मजबूती से सशक्त करने का प्रयास करना चाहिए।

मिश्रा कहते है मातृभाषा हमें राष्ट्रीयता से जोड़ती है और देश प्रेम की भावना उत्प्रेरित भी करती है साथ ही वर्तमान समय में अँग्रेजी भाषा पर ज्यादा फोकस किया जा रहा है। इसीलिए शिक्षा जगत में हर विद्यार्थियों की और पूरा जोर देना चाहिए क्योंकि आज के समय में रोजगार न मिल पाने का कारण अंग्रेजी भाषा का अभाव भी माना जा सकता है क्योंकि इंग्लिश को हर कंपनी अपने प्राथमिकता में ले रही है। जबकि मातृभाषा मातृभूमि की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए भारत सरकार से निवेदन है की शिक्षा प्रणाली स्तर में सुधार करने से हर आर्थिक वर्ग कमजोर विद्यार्थी माता- पिता के सपने साकार होने के साथ देश में बेरोजगारी को कम किया जा सकता है एवं समाज को विकसित और शिक्षित सशक्त विकासशील बनाया जा सकता है। शिक्षा जीवन की मूलभूत इकाई है। जो हमें संस्कार के साथ आगे बढ़ाने की प्रेरणा प्रदान करती है।

निखिल कुमार मिश्रा
रीवा मध्यप्रदेश

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

हमारे ई-कचरे के बढ़ते ढेर का प्रबंधन कैसे करें

इलेक्ट्रॉनिक्स दैनिक जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है जो अक्सर छिपी हुई और खतरनाक कीमत के साथ आता है- कचरे की विस्फोटक मात्रा। वाटरलू विश्वविद्यालय के एक अध्ययन से पता चलता है कि कनाडा ने 2020 में लगभग दस लाख टन इलेक्ट्रॉनिक कचरा (ई-कचरा) पैदा किया। कनाडा के प्रति व्यक्ति ई-कचरे की मात्रा 2000 में 8.3 किलोग्राम से लगभग तीन गुना होकर 2020 में 25.3 हो गई है। हालांकि कनाडा को इसका सामना करना पड़ रहा है ई-कचरे के प्रबंधन में कई चुनौतियाँ हैं, इस मुद्दे से निपटने के लिए कानून मौजूद हैं।

संघीय स्तर पर, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन कनाडा जहरीले कचरे के निपटान, प्रबंधन और शिपमेंट से संबंधित नीतियों के लिए जिम्मेदार है। विशेष रूप से, खतरनाक कचरे के निर्यात और आयात को नियंत्रित करने वाले नियमों को कनाडाई पर्यावरण संरक्षण अधिनियम (सीईपीए) के तहत अपनाया गया है। हाल ही में, सीईपीए को स्वस्थ कनाडा अधिनियम के लिए मजबूत पर्यावरण संरक्षण विधेयक एस-5 को अपनाने के साथ अद्यतन किया गया था, जहां स्वस्थ पर्यावरण के अधिकार को पहली बार संघीय कानून में मान्यता दी जाएगी। प्रांतीय, नगरपालिका और क्षेत्रीय स्तरों पर, सरकारें घरेलू पुनर्चक्रण और निपटान के लिए जिम्मेदार हैं। अधिकारी ई-कचरा प्रबंधन नियम तैयार करते हैं जिनके लिए विशिष्ट इलेक्ट्रॉनिक और विद्युत उपकरणों के लिए ÷विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी÷ (ईपीआर) की आवश्यकता होती है। नुनावुत के अलावा, कनाडा के सभी प्रांतों और क्षेत्रों ने अपने ई-कचरे के प्रबंधन के लिए विनियमित ईपीआर कार्यक्रम लागू किए हैं। ओंटारियो में, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण नियम 2020 में अपडेट किए गए रिसोर्स रिकवरी एंड सर्कुलर इकोनॉमी एक्ट के अंतर्गत आते हैं। सरकार के सभी स्तरों पर ई-कचरे के प्रबंधन में प्रगति धीमी रही है। कनाडाई लोगों को अपने ई-कचरा पदचिह्न को कम करने के बारे में सूचित करना और वैश्विक और घरेलू स्तर पर इस प्रकार के कचरे से निपटने वाले कार्यक्रमों का समन्वय करने से मदद मिल सकती है। सार्वजनिक सहभागिता और अपशिष्ट ऑडिट में सुधार करें एक स्थायी ई-कचरा प्रबंधन कार्यक्रम के लिए सार्वजनिक सहभागिता आवश्यक है क्योंकि ये कार्यक्रम देश भर में कनाडाई लोगों की भागीदारी पर निर्भर करते हैं। ऐसे समाधानों के साथ शिक्षा और आउटरीच प्रयासों की आवश्यकता है जो सभी के लिए समावेशी और सुविधाजनक हों।

-त्रिवेणी-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

भवनों के निर्माण में आई दरारों से खुल रही है भ्रष्टाचार की पोल

» आरईएस विभाग का कारनामा,लाखों के भवन निर्माण के औचित्य पर उठाए जा रहे है सवाल

» भवन निर्माण के साथ ही दरारे खोल रही है भ्रष्टाचार की पोल

- ओंकार पांडेय -
सूरजपुर, 14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

लाखों रुपए खर्च कर ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग द्वारा आमजनों के सुविधा के लिए भवनों का निर्माण तो कराया गया मगर निर्माण कार्य पूर्ण होने के साथ ही भ्रष्टाचार की भी पोल खुल गई है इन भवनों की कोई उपयोगिता अभी तक सार्थक होते नहीं दिख रही हैं। ग्रामीणों को इसका लाभ भी नही मिल पा रहा है। ऐसे में कहा जा सकता है कि शासन के पैसों का दुरुपयोग कर विभाग सिर्फ अपनी कमाई में मशगूल है जिसकी जांच होनी चाहिए।

पिछले साल रिंग रोड में आरईएस विभाग ने गढ़ कलेवा के सामने ग्राम पंचायत तिलसिवां की भूमि में 5-5 लाख रुपए की लागत से वृद्ध जनों के लिए बापू कुटीर इसी के बगल में स्व सहायता समूह के लिए विहान एंपोरियम भवन का निर्माण कराया गया और आदिवासी संग्राहकों के लिए शेड निर्माण के साथ शौचालय निर्माण का कार्य पूर्ण कराया गया है जो बनते ही अब खंडहर में तब्दील हो रहा हैं ना तो इस भवन की उपयोगिता समझ में आ रही है और नहीं इसे प्रारंभ कराया गया।घास फूस से लदे यह भवन शोभा बढ़ा रहे है और आने-जाने वाले लोग यह कह रहे हैं कि शासन के पैसों का दुरुपयोग कर कैसे बंदर बांट किया गया इस भवन की गुणवत्ता भी ऐसी की अभी तक तो यहां से किसी कार्य का संचालन ही नहीं हो पाया अलबत्ता भवनों में चारों ओर दरारें पड़ गई हैं जिसकी जांच होनी चाहिए और संबंधित विभाग के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए जिस स्थान पर यह भवन का निर्माण कराया गया है उसके सामने बड़े-बड़े गड्ढे हैं जिसे सड़क से जोड़कर ठीक भी नहीं कराया गया है। खैर अभी तक तो इस भवन से कोई कार्य ही प्रारंभ नहीं हुआ है,नहीं बापू कुटीर की कोई उपयोगिता समझ में आ रही है।विभाग यहां भवन किस मकसद से बनवाया है यह तो समझ से परे हैं और अगर शासन के पैसों का उपयोग किया गया है तो इसकी उपयोगिता भी समझ में आनी चाहिए!यहां से कार्य प्रारंभ होने चाहिए। वैसे आरईएस विभाग ने जिले में भ्रष्टाचार के मामले में खूब सुर्खियां बटोरी हैं।कांग्रेस सरकार में किए गए उनके कार्यों की ईमानदारी से जांच करा दी जाए तो विभाग के कई अधिकारियों के कारनामे सामने आ जाएगी और वह जेल के सलाखों के पीछे होंगे।बताया जाता है कि अधिकारी अपने चहेते ठेकेदारों को काम देकर खूब कमीशन खोरी कर रहे हैं जिससे यह विभाग अक्सर सुर्खियों में रहता है। विभाग के द्वारा कराए गए कई अन्य कार्यों का भी खुलासा किया जाएगा।ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग के कार्यपालन अभियंता से भवनों के निर्माण से संबंधित जानकारी चाहने की कोशिश की गई मगर वे मोबाइल उठाना मुनासिब नहीं समझते जिससे उनका पक्ष ज्ञात नहीं हो सका है।

शेड निर्माण का नशेड़ी कर रहे बढ़िया उपयोग...

इन भवनों के बगल में एक शेड का निर्माण कराया गया है जिसकी भी उपयोगिता समझ से परे हैं। यह जरूर है कि यह रात में शराबियों का अड्डा बन गया है। सुनसान जगह होने से नशेड़ियों के लिए यह शेड निर्माण बढ़िया उपयोगी साबित हो रहा है।नशेड़ियों के वजह से रात में यहां से आवागमन करने वाले भी भयाक्रांत रहते हैं। वैसे भी रिंग रोड में अंधेरों का साम्राज्य रहता है पुलिस पेट्रोलिंग का भी कोई अता-पता नहीं रहता जिससे इस मार्ग पर आवागमन करना खतरे से खाली नहीं है।

एसपी कार्यालय में पदस्थ अभय सिंह उप निरीक्षक के पद पर हुए पदोन्नत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

पुलिस मुख्यालय रायपुर के आदेश के परिपालन में पुलिस अधीक्षक सरगुजा सुनील शर्मा के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक कार्यालय अंबिकापुर में स्टार सेरेमनी का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक (एम) अभय सिंह को स्टार लगाकर उप निरीक्षक (एम) के पद पर पदोन्नत कर शुभकामनाएं दी गई। पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा उप निरीक्षक अभय सिंह को विभाग द्वारा मिली नई दायित्वों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करने हेतु शुभकामनाएं दी गई, साथ ही कार्यालयीन कार्यों में गतिशीलता लाकर तत्परता के साथ कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उप निरीक्षक अभय सिंह के बेहतर सेवाओं की सराहना कर अग्रिम सेवाओं हेतु शुभकामनाएं दी गई। स्टार सेरेमनी के दौरान पुलिस अनुविभागीय अधिकारी (ग्रामीण) अखिलेश कौशिक एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे।

पैर फिसलने से पानी में गिरे राहगीर की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

शहर के नमनाकला में पावर हाउस के पास रहने वाले विनय शर्मा पिता कामेश्वर शर्मा 51 वर्ष, पैर फिसलने से तालाब के मेड से पानी में गिर गए। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें पानी में गिरते देखा और स्वजन के सहयोग से बाहर निकाले। सांस चलते देख उन्हें तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, यहां चिकित्सक ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया मृतक 13 सितंबर की शाम लगभग साढ़े पांच बजे तेज बारिश के बीच संत हरकेवल मंदिर के पीछे स्थित तालाब के मेड़ से घर जाने के लिए निकला था। इसी दौरान पैर फिसलने से वह नियंत्रण खो दिया और पानी में जा गिरा। आसपास के लोगों की सूचना पर मौके पर डॉयल 112 की टीम पहुंची और उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, यहां चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित करने के बाद इसकी सूचना पुलिस सहायता केंद्र में दी गई थी। पुलिस ने शव को देर शाम होने के कारण मर्च्युरी में रखवा दिया था। गुरूवार को पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

घर की दीवार गिरने से एक ही परिवार के 5 सदस्य दबे

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

शहर के आकाशवाणी कॉलोनी की दीवार से लगाकर उर्सूलाइन स्कूल के सामने एक परिवार द्वारा मकान बनाया गया है। बुधवार की देर रात अचानक मकान की दीवार भरभराकर गिर गई। हादसे में नींद में रहे परिवार के 5 सदस्य मलबे में दब गए। शोर सुनकर कॉलोनीवासियों ने उन्हें बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची दमकल व डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। सभी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

शहर में बुधवार की दोपहर से लेकर रात तक रुक-रुककर झमाझम बारिश हुई। इधर उर्सूलाइन स्कूल के सामने आकाशवाणी कॉलोनी की दीवार से लगे एक मकान की दीवार रात करीब 1.15 बजे भरभराकर गिर गई। इस दौरान परिवार के 5 सदस्य गहरी नींद में थे। दीवार गिरने से वे मलबे में दब गए, इससे वहां चीख-पुकार मच गई। शोर सुनकर आकाशवाणी कॉलोनी के लोग पहुंचे और सभी को मलबे से बाहर निकाला। वहीं सूचना मिलते ही दमकल व डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल पार्वती 70 वर्ष, पुत्र शंभूनाथ 51 वर्ष, बहू पूनम गोस्वामी 48 वर्ष, पोता अनिकेत 17 वर्ष व पोती आकांक्षा 15 वर्ष को तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां उनका इलाज जारी है। सभी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

हिन्दी दिवस पर स्कूल में भाषण व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी स्कूल सोहगा मे 'हिन्दी दिवस' बड़ी धूमधाम से मनाया गया। शाला में विविध आयोजनों तथा प्रतियोगिताओं के माध्यम से इस दिवस को मनाया गया। हिन्दी दिवस के अवसर पर सर्वप्रथम विद्यार्थियों को इस दिवस के इतिहास तथा महत्ता के विषय में बताया गया। विद्यालय की प्राचार्या लीना थॉमस ने बताया कि हिन्दी हमारी मातृभाषा है, जिसका प्रसार हमेशा होता रहेगा। हिन्दी एक ऐसी धारा है जो सदेव बहती रहेगी। हिन्दी से ही हमारी पहचान है। हमारे देश को वैश्विक पटल पर सबसे ऊंचा स्थान हमारी भाषा और हमारी संस्कृति के कारण ही मिलता रहा है। हिन्दी दिवस के इस अवसर पर शाला परिसर में कक्षा 6 वीं से 12 वीं तक के विद्यार्थियों के लिए भाषण, निबंध तथा वाद विवाद, कविता पाठन जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के पश्चात हिन्दी भाषा के विकास को लेकर गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। जिसमें छात्रों तथा शिक्षकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और हिन्दी भाषा के विकास पर अपने विचार प्रस्तुत किए। भाषाई विकास के साथ अपने जीवन में हिन्दी की उपयोगिता किस तरह से बेहतर की जा सके इस विषय पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर शाला के समस्त शिक्षक तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

24 दिन बाद हड़ताल से वापस लौटे स्वास्थ्य कर्मचारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

पिछले 24 दिनों से चल रही स्वास्थ्य कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल स्थगित कर दी गई है। सीएम प्रतिनिधिमंडल से हुई मुलाकात के बाद स्वास्थ्य कर्मियों ने ये फैसला लिया। निर्णय के बाद सरगुजा के स्वास्थ्य कर्मचारी भी अपने-अपने कार्य पर वापस लोट गए हैं। स्वास्थ्य कर्मचारी के कार्य पर लौटने से बेहाल स्वास्थ्य व्यवस्था अब धीरे-धीरे पटरी पर आने लगी है।

छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य फेडरेशन के अनुसार राज्य सरकार द्वारा घोषणा पत्र में उल्लेखित स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत कर्मियों की वेतन विसंगति सुधारने, मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री द्वारा कोविड में तैनात अमले को विशेष कोरोना भत्ता देने, वेतन विसंगति से जूझ रहे कई कैडर जैसे स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी, नर्सिंग कैडर की वेतन विसंगति दूर करना शामिल हैं। राज्य सरकार ने आज तक समस्या का हल करने प्रयास नहीं किया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पिंगवा कमेटी बनी थी। जिसकी रिपोर्ट 4 साल बाद भी सार्वजनिक नहीं की गई है। डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मियों के साथ लगातार हिंसात्मक घटनाएं हो रही है। घटनाओं पर लगाम लगाने ठोस कार्रवाई व विभागीय एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। साथ ही डॉक्टर को 4 स्तरीय वेतनमान देने, जूनियर डॉक्टर के स्टाइफंड में वृद्धि की मांग को लेकर छत्तीसगढ हेल्थ फेडरेशन के बैनर तले स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न संगठन 21 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए थे। मामले में रायपुर धरना स्थल में मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि मंडल पहुंचा और लंबी चर्चा के बाद हड़ताल समाप्त कर ड्यूटी पर लौटने का निर्णय लिया गया है। इसके बाद सरगुजा के हड़ताली स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्य पर वापस लौट गए हैं।

डॉक्टर ने चढ़ाया बॉटल और हो गई महिला की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सीतापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम काराबेल निवासी अनिता लकड़ा 45 वर्ष को 4-5 दिन से हाथ-पैर में दर्द की शिकायत थी। बुधवार को महिला के पुत्र-पुत्री द्वारा सीतापुर के कदंब चौक स्थित मिश्रा फॉर्मेसी मेडिकल स्टोर में संचालित क्लीनिक में लेकर गए। यहां डॉ. निरंजन मिश्रा ने महिला को भर्ती कर इलाज शुरु किया। महिला को इंजेक्शन लगाने के बाद बॉटल चढ़ाया जा रहा था। इसी दौरान उसकी सांस फूलने लगी। यह देख महिला की पुत्री ने डॉक्टर को यह बात बताई। इसके बाद डॉक्टर द्वारा निजी वाहन से महिला को आनन-फानन में सीतापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाकर छोड़ा गया। यहां जांच पश्चात डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतिका की पुत्री ने बताया कि जब उसने डॉक्टर को मां की सांस फूलने की सूचना दी तो मिश्रा फॉर्मेसी के डॉक्टर निरंजन ने तत्काल बॉटल चढ़ाना बंद कर दिया सीने को पंप करने लगे। फिर डॉक्टर ने कहा कि जल्दी से इसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराओ। इसके बाद खुद वे गाड़ी से मां को अस्पताल लेकर पहुंचे और यहां छोडकर चले गए। जब यहां के डॉक्टर ने जांच किया तो कहा कि आधे घंटे पहले ही मरीज की मौत हो चुकी है। महिला की पुत्री ने आरोप लगाया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर ने आधे घंटे पहले मां की मौत की बात बताई। मां की मौत क्लीनिक में ही हो चुकी थी, इसके बाद भी डॉक्टर ने उन्हें नहीं बताया। महिला की मौत के बाद उसके परिजनों ने डॉक्टर निरंजन पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। इधर गुरुवार को प्रशासनिक टीम ने मिश्रा फार्मेसी में अवैध रूप से संचालित क्लीनिक को सील कर दिया।

बस की ठोकर से घायल ग्रामीण की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

यात्री बस से हुई टक्कर में घायल युवक की मौत हो गई। मृतक को दुर्घटना के बाद परिजन मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराए थे, इसके बाद बस मालिक के कहने पर घर लेकर चले गए थे। पुनः तबीयत बिगडने पर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, यहां उपचार के दौरान वह दम तोड़ दिया।

जानकारी के मुताबिक दरिमा थाना क्षेत्र के खाला का लल्लू राम पासवान पिता स्व. मानिकचंद पासवान 42 वर्ष की पत्नी मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती थी, जिसे देखने के लिए वह बीते 29 अगस्त को पुत्र रोहित के साथ मोटरसाइकिल में अस्पताल आ रहा था। खरसिया चौक के पास रसीद बस क्रमांक सीजी 15 एबी 2151 का चालक उसे ठोकर मार दिया। स्वजन ने पुलिस को बताया कि मोटरसाइकिल रोहित चला रहा था, जिसे मामूली चोट आई थी। वहीं पिता को गंभीर चोट आने पर संजीवनी 108 से मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया था, जहां उसका ईलाज चल रहा था। 2 सितंबर को बस मालिक ने घायल के स्वजन को कहा कि अब उसकी स्थिति ठीक है, घर ले जाओ। इसके बाद स्वजन उसी दिन छुट्टी करा लल्लूराम को घर ले गए थे। 12 सितंबर को तबीयत बिगडने पर वे उसे पुनः मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां उपचार के दौरान बुधवार की रात पौने 12 बजे उसकी मौत हो गई।

राष्ट्रीय स्तर के लिए शौर्यवर्धन सिंह का चयन

23 वीं राज्य स्तरीय ताइक्वांडो शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

23 वीं राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता कोरबा में अयोजित किया गया जिसमे 17 वर्ष आयु वर्ग -38 किलोग्राम मे कार्मेल स्कूल के छात्र शौर्यवर्धन सिंह ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर बैतूल मैं अयोजित राष्ट्रीयस्तर की प्रतियोगिता में अपना स्थान पक्का किया । शौर्यवर्धन सिंह ने लगातार तीसरी बार राज्य स्तर के प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है ।

डिवाइडर से हुई टक्कर में घायल बोलेरो सवारों की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जशपुर जिले के कांसाबेल थाना अंतर्गत ग्राम फरसा जुड़वानी निवासी दिलीप कुमार भगत, बोलेरो वाहन सहित डिवाइडर से हुई टक्कर में घायल हो गया था, उसे गंभीर अवस्था में बगीचा स्वास्थ्य केंद्र से रिफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लाकर भर्ती कराया गया, यहां उपचार के दौरान 13 सितंबर को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया मृतक दिलीप 7 सितंबर को दोपहर लगभग 2.30 बजे ग्राम बगजोर निवासी एक अन्य व्यक्ति के साथ बोलेरो में सवार होकर कहीं जाने के लिए निकला था। बूढाडांड मुख्य मार्ग में अनियंत्रित बोलेरो वाहन डिवाइडर से भिड़ गई। दुर्घटना में घायल साथी की वहीं मौत हो गई थी, वहीं दिलीप को रिफर करने पर स्वजन मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर आए थे, यहां जीवन-मौत से संघर्ष करते बुधवार को वह दम तोड़ दिया।

कीटनाशक सेवन से युवक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सूरजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रघुनाथपुर निवासी श्यामलाल पिता घूरसाय गोड़ 40 वर्ष ने कीटनाशक सेवन से मौत हो गई। मृतक बुधवार की शाम अज्ञात कारणों से कीटनाशक का सेवन कर लिया था। स्वजन उसे प्रेमनगर स्वास्थ्य केंद्र से रिफर करने पर सूरजपुर जिला अस्पताल लाया गया, यहां से रिफर करने पर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां उपचार के दौरान गुरूवार की अलसुबह उसकी मौत हो गई।

डिवाइडर से टकराने सें बाइक सवार मजूदर की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

डिवाइडर से हुई टक्कर में मोटरसाइकिल सवार घायल मजदूर की मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डीपाडीह निवासी रूपेश बुनकर पिता सरजू बुनकर 20 वर्ष वॉटर पार्क के पास रहकर मजदूरी करता था। गुरूवार की सुबह लगभग आठ बजे वह मोटरसाइकिल से नया बस स्टैंड की तरफ जा रहा था, इसी दौरान डिवाइडर से टकरा गया। घायल मजदूर को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लाकर भर्ती कराया गया था, यहां सुबह नौ बजे उसकी मौत हो गई।

जुआ खेलते 7 जुआरी पकड़ाए,50 हजार रुपए बरामद

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सार्वजनिक स्थन पर जुआ खेलते सात जुआरियों के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने इनके कब्जे से कुल 50 हजार 3 सौ रुपए जब्त किया हैं। पुलिस ने सभी जुआरियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस बुधवार को पेट्रोलिंग पर निकली थी। इस दौरान पुलिस को मुखिबिर से जानकारी मिली की पैलेस के पीछे ग्राउंड में जुआरी हार जीत का दवा लगाकर जुआ खेल रहे हैं। मुखबिर की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर एकान्त अग्रवाल पिता रामपाल उम्र 32 साल निवासी अग्रसेन वार्ड राजेश पिता राधेश्याम उम्र 45 साल निवासी खरसिया रोड, जाहिद आलम पिता एमडी मोखदार उम्र 35 साल निवासी भारत माता चौक, इमरान पिता जमील अहमद उम्र 25 साल निवासी अम्बिकापुर, राकेश सिंह पिता सुरेश सिंह उम्र 38 साल निवासी दर्रीपारा अम्बिकापुर, राजू खान पिता शहीद खान उम्र 37 साल निवासी मोमिनपुरा, मुन्ना गुप्ता पिता विनय प्रसाद गुप्ता उम्र 32 साल निवासी महामाया रोड अम्बिकापुर हिरासत में लिया गया। पुलिस ने इनके कब्जे से 50 हजार 3 सौ रूपये नगद बरामद किया गया हैं। पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राजेश सिंह, विशेष टीम प्रभारी सहायक उप निरीक्षक भूपेश सिंह, सहायक उप निरीक्षक कृष्ण कुमार यादव, सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय, आरक्षक रुपेश महंत, जयदीप सिंह, सत्येंद्र दुबे, अमित विश्वकर्मा, राहुल सिंह, विकाश सिंह,संजीव चौबे शामिल रहे।

थरमन ने सिंगापुर के राष्ट्रपति पद की शपथ ली, भारतीय मूल के अर्थशास्त्री के बारे में सब कुछ

सिंगापुर, 14 सितम्बर 2023 । सिंगापुर में जन्मे भारतीय मूल के अर्थशास्त्री थरमन षणमुगरत्नम ने गुरुवार को देश के नौवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। थरमन (66) का कार्यकाल छह साल रहेगा। उन्होंने हलीमा याकूब की जगह ली है। उनका कार्यकाल 13 सितंबर को खत्म हो गया। याकूब सिंगापुर की पहली महिला राष्ट्रपति थीं।

कौन हैं थरमन षणमुगरत्नम?

2001 में राजनीति में शामिल होने से पहले थरमन सिंगापुर के मौद्रिक प्राधिकरण में एक अर्थशास्त्री और एक लोक सेवक थे। उन्होंने शिक्षा और वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया है और 2011 से 2019 तक उप प्रधान मंत्री के पद पर रहे। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व आर्थिक मंच और संयुक्त राष्ट्र सहित कई वैश्विक संगठनों में प्रमुख पदों पर भी कार्य किया है।

कौन-कौन सी अहम जिम्मेदारियां संभालीं?

सार्वजनिक सेवा में अपना पूरा जीवन सिंगापुर की सेवा में लगाने वाले षणमुगरत्नम को हाल में हुए चुनाव में मुख्य रूप से देश के चीनी समुदाय का भारी समर्थन मिला था। उन्होंने 2019 से 2023 के बीच एक वरिष्ठ मंत्री के रूप में कार्य किया। वह 2015 से 2023 के बीच सामाजिक नीति समन्वय मंत्री और 2011 से 2023 के बीच सिंगापुर के मौद्रिक प्राधिकरण के अध्यक्ष रहे। वह मई 2011 से मई 2019 तक सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री भी रहे हैं।

सिंगापुर में भारतीय मूल के दो राष्ट्रपति रहे

सिंगापुर में भारतीय मूल के दो राष्ट्रपति रहे हैं। राजनेता और तमिल मूल के नौकरशाह सेल्लापन रामनाथन सिंगापुर के राष्ट्रपति रहे। रामनाथन 1999 में बेंजामिन शियर्स को हराकर सिंगापुर के राष्ट्रपति बने थे। वे 2011 तक इस पद पर रहे। वह सबसे लंबे समय तक सिंगापुर के राष्ट्रपति रहे।

सीवी देवन नायर 1981 से 1985 तक सिंगापुर के तीसरे राष्ट्रपति रहे। 1923 में मलक्का, मलेशिया में जन्मे नायर एक रबड़ बागान में लिपिक (क्लर्क) के तौर पर काम करने वाले आईवी करुणाकरण नायर के बेटे थे। जो मूल रूप से केरल के थालास्सेरी के रहने वाले थे।

ट्रंप व 16 अन्य पर अलग से चलाया जाएगा मुकदमा, जॉर्जिया के जज का फैसला; चुनाव परिणाम में धांधली का मामला

वॉशिंगटन, 14 सितम्बर 2023 । जॉर्जिया के एक न्यायाधीश ने गुरुवार को फैसला सुनाया कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और 16 अन्य पर दो प्रतिवादियों से अलग से मुकदमा चलाया जाएगा। उन पर 2020 के चुनाव परिणामों को पलटने के लिए एक अवैध योजना में भाग लेने का आरोप है। मामले में अगले महीने मुकदमा चलाया जाएगा।

वकील सिडनी पॉवेल और केनेथ चेसेब्रो ने त्वरित सुनवाई की मांग की थी और फुल्टन काउंटी सुपीरियर कोर्ट के न्यायाधीश स्कॉट मैकफी ने 23 अक्तूबर को सुनवाई शुरू करने की तारीख तय की थी। ट्रम्प और अन्य प्रतिवादियों ने पॉवेल और चेसेब्रो से अलग मुकदमा चलाने के लिए कहा था।

फुल्टन काउंटी के जिला अटॉर्नी फानी विलिस ने पिछले महीने ट्रंप और 18 अन्य के खिलाफ राज्य के जबरन वसूली विरोधी कानून के तहत अभियोग हासिल किया था। विलिस यह तर्क देते हुए सभी 19 प्रतिवादियों पर एक साथ मुकदमा चलाने के लिए जोर दे रहे थे कि यह अधिक निष्पक्ष होगा।

चेसेब्रो और पॉवेल ने एक-दूसरे से अलग मुकदमा चलाने की मांग की थी, लेकिन न्यायाधीश ने अनुरोध को अस्वीकार कर दिया।

गाजा सीमा पर विस्फोट, 5 लोगों की मौत

गाजा, 14सितंबर 2023।

इजरायल-गाजा सीमा पर एक विस्फोट में कम से कम पांच फिलिस्तीनियों की मौत हो गयी। गाजा में हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि फिलिस्तीनियों के सामूहिक प्रदर्शन के दौरान हुए विस्फोट में 25 अन्य घायल हो गए। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट से पहले, सीमा पर कई फिलिस्तीनी प्रदर्शनकारियों और इजरायली सैनिकों के बीच झड़प हुई थी। इस दौरान इजरायली सैनिकों ने गोलियां और आंसू गैस के गोले दागे।

इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि फिलिस्तीनियों द्वारा बैरियर पर विस्फोटक उपकरण और हथगोले फेंकने के बाद इजरायली सैनिकों ने उनको तितर-बितर करने के उपाय किए। आईडीएफ ने दावा किया कि इजरायलियों को चोट पहुंचाने के प्रयास में प्रदर्शन के दौरान फिलिस्तीनी दंगाइयों द्वारा एक विस्फोटक उपकरण रखा गया था। विस्फोट के कारण का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। इस बीच इजराइली सेना ने इस संभावना से इनकार किया कि इजराइली गोलीबारी के कारण विस्फोट हुआ। उन्होंने कहा कि उपकरण को फेंकने की कोशिश के दौरान वह फट गया।

वापस लौटते ही घिरे ब्रिटिश पीएम

संसदीय समिति ने ऋषि सुनक को फटकार लगाई, गोपनीयता नियमों के उल्लंघन का मामला

लंदन, 14 सितम्बर 2023 । जी-20 शिखर सम्मेलन से वापस लौटते ही ब्रिटेन की संसदीय समिति ने गुरुवार को ऋषि सुनक को फटकार लगाई है। दरअसल, उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति एक चाइल्ड केयर फर्म में निवेशक हैं। उनके वित्तीय हितों की जांच एक निगरानी समिति कर रही है। इस जांच से संबंधित गोपनीयता नियमों के मामूली और अनजाने उल्लंघन के लिए सुनक को यह फटकार लगाई गई है।

हाउस ऑफ कॉमन्स कमिटी ऑन स्टैंडर्ड्स की जांच गोपनीयता नियमों के संदर्भ में हुई, जो संसदीय मानक आयुक्त की उस जांच पर लागू होती कि क्या सुनक ने हितों की घोषणा से संबंधित मंत्रिस्तरीय संहिता के पैराग्राफ 6 का उल्लंघन किया था।

पिछले महीने संसदीय निगरानी समिति ने निष्कर्ष निकाला था कि सुनक चाइल्डकेयर फर्म कोरू किड्स में अक्षता मूर्ति के शेयरों का संदर्भ देने में विफल रहे, जिसके कारण भ्रम की स्थिति पैदा हुई। यह अनजाने में हुई थी। मानक समिति द्वारा संबंधित जांच इस बात को लेकर शुरू हुई कि क्या उनके डाउनिंग स्ट्रीट प्रवक्ता ने ऐसी जांचों को पूरा होने तक गोपनीयता के नियमों को तोड़ा है।

समिति ने कहा, यह संहिता का मामूली और अनजाने में हुआ उल्लंघन है। सुनक के स्टाफ को संसदीय मानक आयुक्त की मंजूरी के बिना जांच के तहत मामले के विवरण के बारे में कोई बयान जारी नहीं करना चाहिए था। आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि इससे उनकी जांच पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। फिर भी, यह एक उल्लंघन है जो नहीं होना चाहिए था।

उन्होंने कहा, हालांकि, सुनक मानते हैं कि पीछे मुड़कर देखने पर उन्होंने अलग तरह की कार्रवाई की है। समिति अन्य सांसदों की तरह प्रधानमंत्री और सभी मंत्रियों को याद दिलाएगी कि यह सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है कि इस तरह के उल्लंघन न हों।

गणेश उत्सव में घर-घर विराजेंगे इको फ्रेंडली गणपति, समूह की महिलाएं बना रहीं रीपा में प्रतिमाएं

» सीमार्ट तथा स्थानीय बाजार में विक्रय हेतु प्रतिमाएं उपलब्ध, सुंदर प्रतिमाओं की ओर स्वयं आकर्षित हो रहे लोग

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

इस गणेश उत्सव जिले में स्व सहायता समूह की महिलाएं भगवान गणेश की मूर्तियां बना रहीं हैं, जैसे-जैसे गणेश उत्सव का त्योहार पास आ रहा है ये महिलाएं दोगुनी मेहनत के साथ मूर्तियां तैयार करने में जुट गई हैं। समूह द्वारा तैयार मूर्तियां विक्रय हेतु सी मार्ट में उपलब्ध हैं, महिलाओं द्वारा स्थानीय बाजारों में भी स्टॉल लगाए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं की नजर जैसे ही इन सुंदर मूर्तियों पर पड़ रही है, वे स्वयं आकर्षित होकर मूर्तियां खरीद रहे हैं।

सीमार्ट में घरेलू सामान खरीदने आए राहुल सिन्हा ने बताया कि मैंने यहां गणेश प्रतिमाएं देखीं, मुझे बताया गया कि ये मिट्टी की बनी प्रतिमाएं हैं। मैंने तुरंत 350 रुपए में एक प्रतिमा खरीद ली, मिट्टी की बनी इको फ्रेंडली प्रतिमाएं पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुँचाती हैं। गौरतलब है कि रीपा गौठान मेन्ड्राकला में गणेश प्रतिमा निर्माण उत्पादक समूह कर्मी और शक्ति समूह तथा रीपा गौठान कुंवरपुर की प्रगति महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा मूर्तियां तैयार की जा रहीं हैं। शक्ति समूह की दीदी विमला बताती हैं कि ये मूर्तियां पुरी तरह से मिट्टी से बनाई गई हैं। हम सब ने मिलकर बड़ी संख्या में मूर्तियां तैयार कर ली है, पहले हमने यह कार्य ऑर्डर पर शुरू किया था, मूर्तियों के विक्रय से दोगुने से भी अधिक लाभ हुआ है, इसी को देखते हुए हमने मूर्तियों का निर्माण जारी रखा है। प्रगति स्व सहायता समूह की दीदी ने बताया कि उन्हें यह कार्य करके बहुत प्रसन्नता हो रही है समूह की महिलाएं उत्साहपूर्वक प्रतिमाएं तैयार करने में जुटी हैं, शासन-प्रशासन ने उन्हें रोजगार का अच्छा माध्यम दिया है। उनके लिए सबसे बड़ी खुशी की बात तो यह है कि उनके हाथों से निर्मित प्रतिमाएं घरों-घर पूजी जाएंगी।

गणेश चतुर्थी एवं ईद ए मिलाद को शांतिपूर्ण माहौल एवं सौहार्द्रपूर्ण ढंग से मनाए जाने के लिए शांति समिति की हुई बैठक

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

आगामी त्यौहार गणेश चतुर्थी एवं ईद ए मिलाद को शांतिपूर्ण माहौल एवं सौहार्द्रपूर्ण ढंग से मनाए जाने के संबंध में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा, जिला पंचायत सदस्य राकेश गुप्ता, आयुक्त नगर पालिक निगम अभिषेक कुमार, सीईओ जिला पंचायत नूतन कुमार कंवर, अपर कलेक्टर ए एल ध्रुव सहित विभिन्न धर्म के प्रतिनिधियों एवं संगठनों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में बैठक संपन्न हुई। सभी ने समस्त पर्व शांतिपूर्ण माहौल में मनाने का आश्वासन दिया।

कलेक्टर सरगुजा ने इस अवसर पर कहा कि आगामी त्यौहारों की तैयारी और आवश्यक व्यवस्था में पूर्व की भांति जिला प्रशासन द्वारा पूरा सहयोग दिया जायेगा। उन्होंने सभी से अपील की है कि सरगुजा हमेशा ही भाईचारे की मिसाल रहा है। इस तहजीब और परंपरा को बनाए रखें। उन्होंने समिति के सदस्यों और युवाओं को शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय सहभागिता निभाने अपील की है।

पुलिस अधीक्षक श्री सुनील शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि पुलिस द्वारा कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु बल तैनात किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने गणपति पूजा समितियों को भी अपने वालंटियर्स निर्धारित करने और उनका निश्चित ड्रेस कोड का सुझाव दिया। जिससे आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने उनका भी सहयोग लिया जा सके।

बैठक में सार्वजनिक स्थलों पर विद्युत लाइन का ध्यान रखते हुए गणपति प्रतिमा को ऊंचाई, डीजे एवं ध्वनि यंत्रों के नियमानुसार संचालन, गणपति स्थापना और विसर्जन के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। व्यवस्थित विसर्जन हेतु इस बार प्रत्येक समितियों के लिए विसर्जन का समय निर्धारण पर चर्चा की गई जिसमें टोकन के माध्यम से निर्धारित समय पर विसर्जन स्थल पर पहुंचकर प्रतिमा विसर्जन किया जाए जिससे श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित रखा जा सके।

बैठक में स्वच्छता के दृष्टिगत आयोजन एवं विसर्जन स्थल पर पर्याप्त व्यवस्था करने, ट्रैफिक व्यवस्था तथा त्यौहार के अनुरूप गरिमामय, सौहार्द पूर्ण ढंग से मनाने सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। उपस्थित समिति के सदस्यों ने ईद ए मिलाद एवं गणेश चतुर्थी पर बेहतर सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक व्यवस्था, डीजे एवं साउंड सिस्टम, गणपति प्रतिमा स्थापना एवं विसर्जन के संबंध में आवश्यक सुझाव दिए। बैठक में एमआईसी सदस्य द्वितेंद्र मिश्रा, पार्षद आलोक दुबे, कैलाश मिश्रा, भरत सिंह सिसोदिया, करता राम गुप्ता सहित शांति समिति के सदस्य एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आरटीई की राशि में वृद्धि सहित अन्य मांगों को लेकर बंद रहा निजी स्कूल

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

विभिन्न मांगों को लेकर गुरुवार को जिले भर के निजी स्कूल के संचालकों ने शैक्षणिक कार्य बंद रखा। प्राइवेट स्कूल्स फेडरेशन ऑफ सरगुजा के नेतृत्व में स्कूल संचालकों के द्वारा मुख्यमंत्री के नाम डीईओ को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगें रखी गई। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया है कि पिछले 12 वर्षों से आरटीई की राशि में कोई वृद्धि नहीं की गई है। आरटीई की राशि प्राथमिक कक्षाओं में 7 हजार से बढ़ाकर 18 हजार माध्यमिक की 11 हजार 5 सौ से बढ़ाकर 21 हजार एवं हाई और हायर सेकेण्ड्री की अधिकतम सीमा को 15 हजार से बढ़ाकर 30 हजार तक किया जाए। बसों की अवधि जो छत्तीसगढ़ में 12 वर्ष है और देश के अधिकांश राज्यों में यह अवधि 15 वर्ष है। बसों की अवधि छत्तीसगढ़ में भी 15 वर्ष किया जाना चाहिए। निजी स्कूलों में पढने वाली बालिकाओं को भी सरस्वति साइकिल योजना एवं शासन की अन्य योजनाओं का लाभ दिया जाए। आरटीई की रूकी हुई प्रतिपूर्ति राशि को अविलब स्कूलों के खाते में स्थानांतरित किया जाए। आरटीई की राशि सत्र समाप्ति के साथ ही भुगतान किया जाए। निजी स्कूलों के सभी खातों को पीएफएमएस के अंतर्गत पंजीकृत किया जाए। गणवेश की राशि 540 रूपये से बढ़ाकर 2000 किया जाए। निजी विद्यालय में अध्ययनरत एस, एसटी, ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों को मिलने वाली प्री मैट्रिक एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की राशि बढ़ाई जाए। निजी स्कूलों के अध्यापकों को स्कूली शिक्षा में भर्ती पर बोनस अंक प्रदान किया जाये, जैसे आत्मानंद के शिक्षकों को किया जाता है। निजी स्कूल संचालकों ने उपरोक्त मांगों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए अविलंब उचित कार्रवाई की मांग की है।

वन भूमि में कब्जे को लेकर दो गांव के ग्रामीणों के बीच विवाद

- संवाददाता -
लखनपुर, 14 सितम्बर 2023
(घटती-घटना)।

वन भूमि में कब्जे को लेकर दो गांव के ग्रामीणों के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है।वन विभाग इसे लेकर मुक दर्शक बना हुआ है। वन भूमि से अतिक्रमण हटाने और विवाद खत्म करने को लेकर अब तक वन विभाग के द्वारा कोई सार्थक पहल नहीं किया गया है। वन भूमि में कब्जे को लेकर आज दो गांव के ग्रामीणों के बीच विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और किसी तरह मामले को शांत कराया है।मामला सरगुजा जिले के लखनपुर वन क्षेत्र के कटिंदा सर्कल के खाचा कूड़ा जंगल का है। जहां कई वर्षों से ग्राम कोसंगा के ग्रामीणों के द्वारा वन भूमि पर अवैध रूप से लकड़ी का झाला बनाकर कब्जा किया गया है। ग्राम बेलदगी के ग्रामीणों के द्वारा जंगल में अवैध अतिक्रमण को लेकर लंबे समय से विरोध किया जा रहा है। सरपंच के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाए जाने तथा कब्जा किए गए स्थल पर पौधारोपण किया जाने को लेकर कई बार वन परिक्षेत्र अधिकारी से वन मंडल अधिकारी सरगुजा को ज्ञापन सौंपा गया है।परंतु आज दिनाक तक अतिक्रमण हटाए जाने तथा विवाद को सुलझाने वन विभाग की ओर से कोई सार्थक कदम नही उठाया गया है। जिसे लेकर ग्राम बेलदगी के ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। बेलदगी के आक्रोशित ग्रामीण बड़ी संख्या में खांचा कूड़ा जंगल पहुंचे और ग्राम कोसंगा के ग्रामीणों द्वारा कब्जे किए गए वन भूमि पर बेलदगी के ग्रामीणों के द्वारा लकड़ी का झाला बनाकर कब्जा करने का प्रयास किया गया। इसी दौरान दो गांव के ग्रामीणों के बीच कब्जे को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया। इसकी सूचना लखनपुर वन विभाग को मिलते ही वन विभाग की पूरी टीम मौके पर पहुंची और किसी तरह मामले को शांत कराया। गौरतलब है कि राजनीतिक दबाव के कारण वन विभाग के द्वारा अवैध अतिक्रमण को लेकर कार्यवाही करने को लेकर आना कानी की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि खाचा कूड़ा जंगल से अतिक्रमण नहीं हटाया जाता है तो आने वाले समय में ग्राम बेलदगी के समस्त ग्रामीणों के द्वारा वन भूमि में कब्जा कर मकान बनाया जाएगा।

राजनीतिक संरक्षण में वन भूमियों में अतिक्रमण का चल रहा खेल

वही एक तरफ जंगल बचाने के लिए शासन द्वारा करोड़ों रुपए खर्च कर रही है और दूसरी तरफ कांग्रेस के स्थानीय नेताओं के द्वारा अपने अंबिकापुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोसगा के ग्रामीणों को भड़काया जा रहा है और राजनीति रोटी सेकते हुए जंगल की बेदर्दी से कटाई कर कर कब्जा दिलाने का खेल चल रहा हैं और यही नही स्थानीय कांग्रेस नेता द्वारा वन विभाग के अधिकारियों को और बेलदगी पंचायत के ग्रामीणों के ऊपर दबाव बनाया जा रहा है। और पट्टा दिलाने के नाम पर कई एकड़ वन भूमियों पर कब्जा कराने का खेल चल रहा है।

पुलिस कब से आरोपियों का मान सम्मान सोचने लगी?

दो एक प्रवृत्ति वाले मामले में सूदखोरों के खिलाफ हुई कार्यवाही,एक आरोपी का फोटो ही पुलिस ने किया जारी

लंबे समय के बाद कोरिया पुलिस ने दो अलग-अलग मामले में तीन सुदखोरों के खिलाफ की कार्यवाही, एक आरोपी का फोटो हुआ जारी...दो आरोपियों का फोटो आखिर पुलिस ने क्यों नहीं किया जारी?

दो एक ही नाम वाले प्रधान आरक्षकों की भूमिका भी मामले में संदिग्ध...इस समय दूसरे नंबर के सुपर कॉप बन रहे हैं दूसरे एक ही नाम वाले प्रधान आरक्षक

विज्ञप्ति के साथ दो आरोपियों का फोटो पुलिस ने क्यों नहीं किया जारी ?

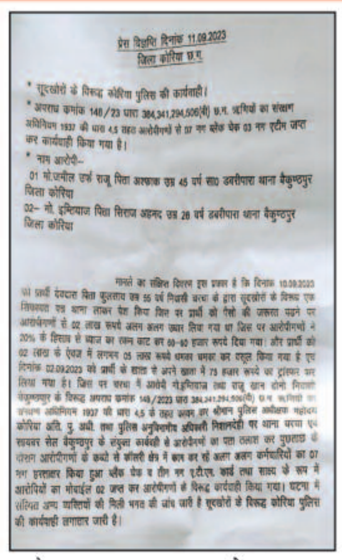

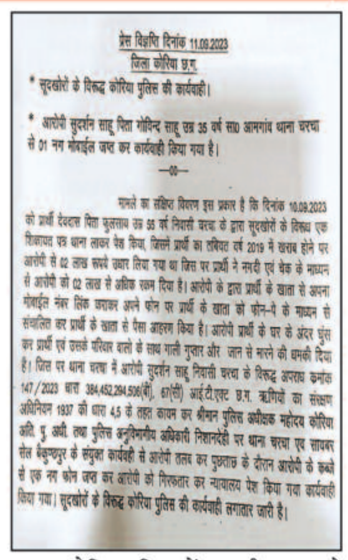

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

पुलिस आरोपियों पर रहम नहीं करती यह बात शुरू से ही लोग जानते हैं पर इस समय पुलिस आरोपियों पर ही मेहरबान है और उन पर रहम करती नजर आ रही है, यह इस समय कोरिया पुलिस की एक कार्यवाही और उसकी जारी प्रेस विज्ञप्ति से समझा जा सकता है।

मामले में यह सवाल उठता है की क्या पुलिस भी आरोपियों के मान सम्मान का ख्याल रखने लगी है या फिर पुलिस की कार्यप्रणाली खराब हो चली है? हम बात कर रहे हैं कोरिया पुलिस के द्वारा किए गए कार्यवाही की, जिसमे कोरिया पुलिस के द्वारा 11 सितंबर को दो प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दो अलग-अलग मामले में सूदखोरों के खिलाफ कार्यवाही करने का खुलासा किया गया,एक कार्यवाही में जिसमें एक आरोपी था उसका पुलिस ने फोटो सेशन भी कराया और विज्ञप्ति के साथ मीडिया को फोटो भी उपलब्ध कराई पर वही दूसरे प्रकरण में पुलिस विज्ञप्ति तो मीडिया को दी गई लेकिन मामले के दोनो आरोपियों का फोटो मीडिया को उपलब्ध नहीं कराया, इसके बाद सवाल यह उठने लगा क्या पुलिस भी आरोपियों के मान सम्मान का ख्याल रखने लगी है या फिर उनके कार्यवाही में समानता का भाव नहीं है? लंबे समय के बाद सूदखोरों के खिलाफ कार्यवाही का मामला सामने आया है और यह कार्रवाई अच्छी भी मानी जा सकती है, पर जब जब पुलिस कोई अच्छी कार्यवाही करती है तो उनके कर्मचारी कुछ ना कुछ ऐसा कर देते हैं जिस वजह से पुलिस के पूरे किए किराए पर पानी फिर जाता है। इस समय कोरिया पुलिस में एक ही नाम वाले दो प्रधान आरक्षक खूब चर्चित हो चले हैं, उसमें से एक ही नाम वाले प्रधान आरक्षक द्वारा जो दूसरे नम्बर के सुपर कॉप कहे जा सकते हैं इनके द्वारा आरोपी से न जाने क्या साठ गांठ किया गया की विज्ञप्ति के साथ उनका फोटो रिलीज नहीं होगा, ऐसा लगा कि पुलिस को उन दोनों आरोपियों के मान सम्मान का ज्यादा ख्याल था इस वजह से मीडिया में उनका फोटो देना उचित नहीं समझा गया।

एक ही प्रवृत्ति के दो मामले पुलिस ने किए पंजीबद्ध,एक मामले में आरोपी का फोटो किया प्रेस को जारी एक मामले में फोटो नहीं किया गया जारी

कोरिया पुलिस ने सूदखोरी के दो मामले एक ही दिन दर्ज किए, एक मामले में दो आरोपी पकड़े गए और एक मामले में एक आरोपी पकड़ा गया, पुलिस ने मामले की सफलता बताने पुलिस की कार्यवाही की सूचना देने दोनो मामलो की प्रेस विज्ञप्ति जारी की और एक मामले में आरोपी जो एक व्यक्ति था उसका फोटो प्रेस को जारी किया वहीं दूसरे मामले में जिसमे दो आरोपी थे का फोटो मीडिया को जारी नहीं किया, दोनो मामला चूंकि एक ही प्रवृत्ति के अपराध का था इसलिए यह सवाल भी उठाया जा रहा है की आखिर पुलिस ने ऐसा क्यों किया? क्यों दोनो मामलो के आरोपियों का संयुक्त फोटो जारी नहीं किया? पूरे मामले में क्या दो आरोपियों की पहचान पुलिस केवल नाम से ही बताना चाह रही है उनका फोटो जारी कर उनकी पहचान वह नहीं बताना चाह रही है यह सवाल कोरिया पुलिस की कार्यवाही के बाद उठ रहा है?

दो आरोपियों का फोटो नहीं जारी करने के पीछे एक प्रधान आरक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण:सूत्र

बताया जा रहा है की एक ही प्रवृत्ति के दो मामले जो कोरिया पुलिस ने दर्ज किए दो मामलो में तीन आरोपियों की जो गिरफ्तारी हुई उसमें एक मामले के दो आरोपियों की फोटो प्रेस को पुलिस ने उपलब्ध नहीं कराई और एक मामले में फोटो आरोपी की उपलब्ध कराई,एक मामले के दो आरोपियों की फोटो प्रेस तक न पहुंचे इसके पीछे एक प्रधान आरक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है यह बताया जा रहा है,यह प्रधान आरक्षक फिलहाल कोरिया पुलिस की सुपर कॉप टीम के सदस्य हैं और दूसरे नंबर के सुपर कॉप बनने की कोशिश में वह लगे हुए हैं, इस मामले में सबसे अहम भूमिका उन्होंने ही निभाई इसलिए वह मामले के दो आरोपियों की फोटो प्रेस तक न पहुंच सके इस मामले में सफल हुए।

सूदखोरों के विरूद्ध कोरिया पुलिस की कार्यवाही नम्बर 1

पुलिस के विज्ञप्ति के अनुसार मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 10.09.2023 को प्रार्थी देवदास पिता फुलसाय उम्र 55 वर्ष निवासी चरचा के द्वारा सूदखोरों के विरूध एक शिकायत पत्र थाना लाकर पेश किया, जिसमें प्रार्थी का तबियत वर्ष 2019 में खराब होने पर आरोपी से 02 लाख रूपये उधार लिया गया था, जिस पर प्रार्थी ने नगदी एवं चेक के माध्यम से आरोपी को 02 लाख से अधिक रकम दिया है। आरोपी के द्वारा प्रार्थी के खाता से अपना मोबाईल नंबर लिंक कराकर अपने फोन पर प्रार्थी के खाता को फोन पे के माध्यम से संचालित कर प्रार्थी के खाता से पैसा आहरण किया है। आरोपी प्रार्थी के घर के अंदर घुस कर प्रार्थी एवं उसके परिवार वालो के साथ गाली गुप्तार और जान से मारने की धमकी दिया है। जिस पर थाना चरचा में आरोपी सुदर्शन साहू निवासी चरचा के विरूद्ध अपराध क्रमांक147/2023 धारा 384,452,294,506 (बी), 67 (सी) आई.टी. एक्ट छ.ग. ऋणियों का संरक्षण अधिनियम 1937 की धारा 45 के तहत कायम कर,पुलिस अधीक्षक कोरिया,अति. पु. अधी. तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी निशानदेही पर थाना चरचा एव सायबर सेल बैकुण्ठपुर के संयुक्त कार्यवही से आरोपी तलब कर पुछताछ के दौरान आरोपी के कब्जे से एक नग फोन जप्त कर आरोपी को गिरफतार कर न्यायालय पेश किया गया कार्यवाही किया गया।

सूदखोरों के विरूद्ध कोरिया पुलिस की कार्यवाही नम्बर 2

मो. जमील उर्फ राजू उम्र 45 वर्ष सा. डबरीपारा थाना बैकुण्ठपुर जिला कोरिया व मो. इम्तियाज उम्र 28 वर्ष डबरीपारा थाना बैकुण्ठपुर जिला कोरिया मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 10.09.2023 को प्रार्थी देवदास पिता फुलसाय उम्र 55 वर्ष निवासी चरचा के द्वारा सूदखोरों के विरूध एक शिकायत पत्र थाना लाकर पेश किया जिस पर प्रार्थी को पैसो की जरूरत पड़ने पर आरोपीगणों से 02 लाख रूपये अलग अलग उधार लिया गया था जिस पर आरोपीगणों ने 20 प्रतिशत के हिसाब से व्याज का रकम काट कर 60-60 हजार रूपये दिया गया और प्रार्थी को 02 लाख के ऐवज में लगभग 05 लाख रूपये धमका चमका कर वसूल किया गया है एवं दिनांक 02.09.2023 को प्रार्थी के खाता से अपने खाता में 75 हजार रुपये का ट्रांस्फर कर लिया गया है। जिस पर चरचा में आरोपी मो. इम्तियाज तथा राजू खान दोनो निवासी बैकुण्ठपुर के विरूद्ध अपराध क्रमांक 148/2023 धारा 384,341,294, 506 (बी) छ.ग. ऋणियों का संरक्षण अधिनियम 1937 की धारा 4.5 के तहत कायम कर कार्यवही से आरोपीगणों का पता तलाश कर पुछताछ के दौरान आरोपीगणों के कब्जे से कॉलरी क्षेत्र में काम कर रहें अलग अलग कर्मचारियों का 07 नग हस्ताक्षर किया हुआ ब्लैंक चेक व तीन नग ए.टी.एम. कार्ड तथा साक्ष्य के रूप में आरोपियों का मोबाईल 02 जप्त कर आरोपीगणों के विरूद्ध कार्यवाही किया गया। घटना में संल्पित अन्य व्यक्तियों की मिली भगत की जांच जारी है।

कमिश्नर के यहां चल रहा प्रकरण के बीच में ही अनावेदक द्वारा जबरन बलपूर्वक जमीन पर कर रहा कब्जा:पीड़ित

माननीय उच्च न्यायालय के स्थगन के बावजुद अनावेदक नहीं मान रहे आदेश,कहते है कागज में क्या लिखा है हमें पता नहीं

प्रकरण 170 (ख) का, जिसमें एसडीएम के यहां से अनावेदक के पक्ष में हुआ फैसला

असंतुष्ट पक्षकार ने कमिश्नर के यहां किया अपील,इसी मामले में उच्च न्यायालय ने दिया है स्थगन आदेश

पटना में सक्रिय हुये भूमाफिया भोलेभाले आदिवासी को उलझाकर,गलत तरीके से भूमि हड़पने की आशंका

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जमीन के विवाद के लिये राजस्व विभाग व न्यायालय होता है ताकि भूमि सम्बन्धित मामलों का निपटारा इसी विभाग व न्यायालय द्वारा हो सके किन्तू राजस्व के कई ऐसे मामले देखे जाते है जहां इस विभाग के फैसलो पर विश्वास करना दूभर हो जाता है। इसी तरह एक ऐसा मामला सामने आया जहां आदिवासी के भूमि को वर्ष 1959 के पूर्व खसरा नं. 159/2, रकबा 3.75 एकड़ क्रय किया गया है, भूअभिलेखों में जिसका उल्लेख साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत है। अविस्वनीय ढंग से इस मामले में भी धारा 170 (ख) का प्रकरण चल रहा है जबकि इस प्रकरण पर धारा 170 (ख) के उपबंध लागू ही नहीं होंगे। इसके बावजुद अनुविभागीय राजस्व एवं कलेक्टर न्यायालय कोरिया से यह भूमि अनावेदक महिमा सिंह आत्मज चन्द्रशेखर वगैरह के पक्ष में हो गया। जिससे क्षुब्ध होकर आवेदकगणों ने अपर आयुक्त सरगुजा संभाग के न्यायालय में अपील पेश की गयी है जिस पर स्थगन भी मिला और मामला अभी लंबित है। इसके बाद आवेदकगणों ने इसी मामले को लेकर माननीय उच्च न्यायालय में रीट याचिका पेश किया। जिस रीट याचिका के प्रतिउत्तर में उच्च न्यायालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ के द्वारा क्रमांक 2877/2023 दिनांक 11.08.2023 के माध्यम से उक्त समस्त प्रकरण पर स्थगन पारित किया गया है। उक्त स्थगन आदेश के बावजुद भी अनावेदकगणो द्वारा उक्त भूमि पर निर्माण सामग्री गिराकर भूमि में पेड़, पौधो की साफ-सफाई करते हुये बलपूर्वक जबरन कब्जा किया जा रहा है। आवेदको द्वारा रोकने पर भी अनावेदक द्वारा कहा जा रहा है कि हमें कागज में क्या लिखा है पता नहीं हमने एसडीएम के यहां से केस जीत गया है।

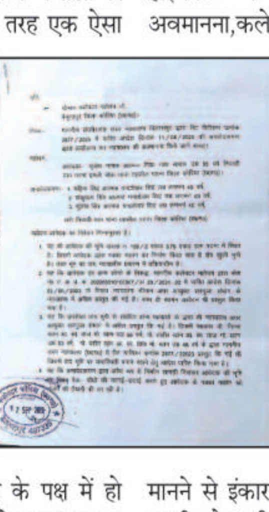

हाईकोर्ट के स्थगन आदेश की हो रही अवमानना,कलेक्टर को दिया गया आवेदन- आवेदक सुबोध ने बताया कि 159/2 रकबा 3.75 एकड़ की भूमि जो पटना में स्थित है जिस पर आवेदक द्वारा पक्का मकान का निर्माण किया गया है शेष बजी हुयी भूमि है जिस पर वाद न्यायालीन प्रकरण में प्रक्रियाधीन है। अनावेदक महिमा सिंह आत्मज चन्द्रशेखर वगैरह ने आवेदक के भूमि पर जबरन कब्जा किया जा रहा है। जिस पर अनावदेक को यह बताने पर कि इस भूमि पर उच्च न्यायालय द्वारा स्थगन दिया गया है इसके बावजुद अनावेदकगणों द्वारा मानने से इंकार करते हुये कहा जाता है कि यह भूमि हमारी हो गयी है। आवेदक सुबोध ने बताया कि न्यायालय के स्थगन होने के बावजुद अनावेदकगणों द्वारा भूमि पर कब्जा किया जा रहा है जिस पर माननीय कलेक्टर कोरिया एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व से अपील किया है कि इस प्रकरण पर संज्ञान लेते हुये उक्त भूमि का फैसला जब तक नहीं हो जाता तब तक के लिये इस भूमि पर अनावेदकगणों द्वारा किये जा रहे कब्जे को रोकते हुये न्यायालय के आदेश की अवमानना पर कार्यवाही किया जाये।

नेहरू युवा केंद्र कोरिया में बेखौफ चल रहा है भ्रष्टाचार का खेल,कलेक्टर कोरिया से हुई शिकायत

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

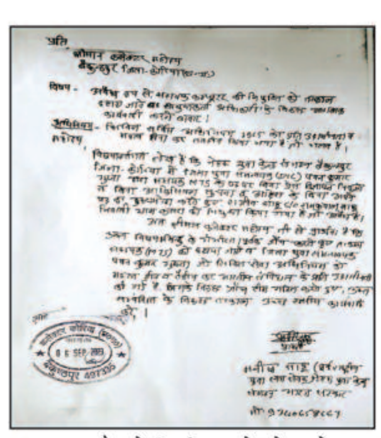

कोरिया जिला में वर्ष 2013 में नेहरू युवा केन्द्र संगठन का शुरुआत हुआ, जिसमें पहले जमीनी स्तर का कार्य बहुत तेजी से हुआ और युवा/युवती को जोड़ने का कार्य बहुत तेजी से हुआ, जिसमे युवाओ को स्वरोजगार से जोड़ते हुए शिक्षा की ओर प्रेरित किया जो अपने जीवन को सवारते हुए एक नई दिशा की ओर बढ़ते चले गए बहुत सारे उपलब्धि प्राप्त हुई। परंतु अब की स्थिति कुछ इस प्रकार है कि जिला युवा समन्वयक (डीवाईसी) पवन कुमार गुप्ता द्वारा अपने पद का दुरूपयोग करते हुए भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ा दिया, युवाओं के सपने को और विभाग प्रति वर्ष की एक्सेल प्लान के आधार पर सभी कार्यक्रमों के लिए अलग-अलग राशि आवंटित हुई रहती है जो युवाओं के स्वर्ण गिरना विकास के लिए, उन्हें नई-नई तकनीक की की शिक्षा के लिए होता है, परंतु जिला युवा समन्वयक पूरी धन राशि का बंदर बाट में व्यस्त हो गए हैं। जबकि उस धन राशि का उपयोग कार्यक्रमों में होना होता है और राशि का उपयोग राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवको/मंडल पदाधिकारियों द्वारा किया जा सकता है, जो सिर्फ युवाओं को स्वरोजगार के माध्यम से शिक्षा से जोड़ना है परंतु जिला युवा समन्वयक के द्वारा स्वयं से बिल वाउचर लगाकर या फिर नई चयनित हुए राष्ट्रीय व स्वयंसेवकों पर दबाव बनाकर उनके द्वारा बिल वाउचर लगवाया जाता है और पैसा खुद ही खाते से आहरण कर लिया जाता है जिसकी शिकायत हुई है। वहीं दूसरी ओर देखा जा रहा है तब कोरिया जिला की नेहरू युवा केंद्र संगठन जिला कार्यालय में पदस्थ गुमनाम सहायक कंप्यूटर ऑपरेटर राजीव कुमार साहू निवासी ग्राम कसरा का मनमाने तरीके से नियुक्ति कर जिला कार्यालय का संपूर्ण कार्यभार सौंप दिया गया है, जहां मनीष साहू ने यह भी आरोप लगाया है कि सहायक कंप्यूटर ऑपरेटर के नियुक्ति के संबंध में न विज्ञापन जारी किया गया और ना ही ऑफिशल नोटिफिकेशन जारी किया गया जिसमें ये साफ जाहिर होता है कि जिला युवा समन्वयक द्वारा भारतीय संविधान में, सिविल सर्विस अधिनियम 1965 को दरकिनार करते हुए नजर अंदाज किया जा रहा है जो संविधान व सरकार के प्रति उदासीन है।

आखिर किसके इशारे पर जिला युवा समन्वयक का हौसला बुलंद है क्या स्टेट डायरेक्टर श्रीकांत पांडे का मिली भगत तो नहीं है? जिनके इशारे पर भ्रष्टाचार का यह खेल बेखौफ खेला जा रहा है जिससे यह साफ जाहिर होता है कि स्टेट डायरेक्टर श्रीकांत पांडे का मिली भगत के बगैर यह संभव नहीं, क्या ऐसे में होगा युवाओं का जीवन में उजाला? सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पवन कुमार गुप्ता वर्तमान में पांच जिलों के प्रभारी हैं जिसमें अंबिकापुर, सूरजपुर, बलरामपुर, कोरिया एवं मनेंद्रगढ चिरमिरी भरतपुर का जिला युवा समन्वयक हैं, क्या केंद्रीय मंत्रिमंडल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर/मंत्रालय अधिकारियों से नहीं है डर निर्भीक होकर कर रहे हैं भ्रष्टाचार उपरोक्त मामलों को लेकर पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक मनीष साहू ने लगाया है भ्रष्टाचार करने का आरोप स्टेट डायरेक्टर श्रीकांत पांडे खामोश है या बंदर बाट का बराबर हिस्सा पहुंच रहा है, जानकारी यह भी है कि पूर्व में बने मंडल जिससे नेहरू युवा केंद्र संगठन का जड़ माना जाता है उनका कोई पूछ खबर नहीं है वहीं वर्तमान स्थिति में यह भी देखा जा रहा है जितने भी नए युवा/ युवती मंडल गठन हुआ है वह सिर्फ कागजों में ही सीमित है भ्रष्टाचार का भेंट, केंद्र सरकार की मंशा स्वरोजगार से शिक्षा के साथ जोड़ने की दिशा शिकायतकर्ता मनीष साहू जो पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक खेल एवं युवा कल्याण विभाग भारत सरकार के अधीनस्थ दो वर्षों का सेवा समाज के बीच दिया है। यह बातों का जानकारी मिलते ही ने त्वरित कलेक्टर कोरिया को लिखित आवेदन पत्र देते हुए यह मांग किया है कि सहायक कंप्यूटर ऑपरेटर राजीव साहू को तत्काल हटाया जाए और वहीं दूसरी ओर यह भी मांग है कि जिला युवा समन्वयक पवन कुमार गुप्ता के विरुद्ध टीम गठित कर उच्चस्तरीय जांच कार्यवाही किया जाए।

अनुसूचित जनजाति में शामिल करने हेतु पनिका समाज ने कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में जिले के पनिका समाज के द्वारा अनुसूचित जनजाति में शामिल करने हेतु कलेक्टर कोरिया को प्रधानमंत्री के नाम पत्र भेजकर अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की मांग की है जिले में समाज के सैकड़ो कार्यकर्ता पदाधिकारी ने कोरिया कलेक्टर को ज्ञापन दिया पनिका/पनका जाति को सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जनजाति में बहाली बाबत। छत्तीसगढ़ विधानसभा में दिनांक 03 मार्च 2023 को सर्वसम्मति से पारित अशासकीय संकल्प 01.विषयांकित संदर्भ में लेख है कि पनिका जाति अविभाजित संपूर्ण मध्यप्रदेश (छत्तीसगढ़ सहित)में अनुसूचित जनजाति में शामिल रही है।मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 17 दिसम्बर में प्रकाशित अधिसूचना कमांक 3818-2050-70-71 सात.सा.1 दिनांक 8 दिसम्बर 1971 द्वारा प्रवृष्टि 39 शुरू की गई और पनिका जाति केवल दतिया, टीकमगढ़ छतरपुर,पन्ना,सतना, रीवा, सीधी तथा शहडोल जिलों के लिये ही आदिवासी जाति घोषित की गई।102 मध्यप्रदेश राजपत्र भाग-1दिनांक 8 फरवरी 1985 में प्रकाशित,मध्यप्रदेश शासन,आदिमजाति हरिजन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, भोपाल दिनांक 26 दिसम्बर 1984 क. एफ-8-5 पच्चीस-4-84 के अनुसार घोषित पिछड़ावर्ग की अनुसूची में कमांक 47 में पनिका/पनका (छतरपुर पन्ना,दतिया,टीकमगढ़ सतना, रींवा,सीधी शहडोल जिलों को छोड़कर शेष मध्यप्रदेश के लिये शामिल रही।03.आर.व्ही.रसेल लिखित दी ट्राइव्स एण्ड कास्ट ऑफ दी सेंट्रल प्राविसेंस ऑफ इंडिया,भाग-चार पनिका खण्ड विलियम कुकस लिखित दी ट्राइव्स एण्ड कास्ट ऑफ दी नार्थ वेस्टर्न इंडिया,खण्ड-चार तथा डॉ.डी. एन.मजूमदार कृत दी रेसेज दी एण्ड कल्चर ऑफ इंडिया में दर्शित नजरी नक्शा तथा दी ट्राइवल मेंप ऑफ इंडिया में पनिका जाति आदित जाति के रूम में वर्णित उल्लेखित है। सतनारायण गोयन जिला अध्यक्ष पनिका समाज जिला कोरिया के नेतृत्व मे ज्ञापन सौंपा गया है ज्ञापन सौंपने के दौरान समाज के प्रमुख अध्यक्ष सरगुजा संभाग रामधन देवांगन,पनिका समाज जिला अध्यक्ष सत्यनारायण गोयन,राम लखन,धर्म प्रकाश परेवा,राजाराम जाता,सुकुल मरई,रमेश देवांगन,अनुराग दास, प्रवीण भीमगे, गौरव कुमार, रामबहोर, देवनारायण, रामलाल दास, विजेंद्र मानिकपुरी, हुकुमचंद, टकेश्वर प्रसाद, मायाराम खाडे,विजय बघेल, विजेंद्र लाल सोनवानी, दरोगा प्रसाद, देवनारायण, शशि कुमार देवांगन, सरवन कुमार देवांगन, रमेश पंत, लाल दास महंत, सहित भारी संख्या में पनिका समाज के लोग उपस्थित रहे।

उपलब्धि के नाम पर 'ठन ठन गोपाल' विधायक सुनील सराफ़

सुनील हटाओ - कोतमा बचाओ नारे के साथ मैदान में जी-23 टीम

अगर चुनाव न हों तो हमें पता ही न चले कि हमारे आसपास जनसेवा के लिये तत्पर कितने सारे महान लोग मौजूद हैं...जिन्हें सिर्फ एक मौका चाहिए और ये द्रुत गति से विकास में जुट जाएंगे...बाकि विकास किसका होगा...? ये पूछकर हमें स्वयं के सामान्य ज्ञान पर प्रश्न चिन्ह नहीं लगाना चाहिए...क्योंकि जो जीत चुका नेता है वो पर्याप्त विकास कर चुका है लेकिन फिर भी उसका मन नहीं भरा है और जो अब तक नहीं जीता है वो विकास करने को कसम खा रहा है...

-अरविंद द्विवेदी-
अनूपपुर, 14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा चुनाव की सरगरमियां धीरे-धीरे सिरे चढ़ने लगी हैं। चुनावी समर में भाग्य आजमाने के लिए जहां नेता ताल ठोक रहे हैं वहीं जिले की कोतमा विधानसभा के वर्तमान विधायक के रूप में सुनील सराफ की क्या उपलब्धियां रही हैं.? इस बेबाक प्रश्न पर एक भी ऐसी उपलब्धी सामने नहीं आई जो लोगों की जुबान पर हो। हाँ एक बात तो है कि क्षेत्र की जनता को गर.! कुछ (सुनने मात्र) मिला तो वह है फेसबुक लाईव के माध्यम से 'प्रणाम करता हूँ व नमन करता हूँ'। बांकि विधानसभा की जनता ने क्या-क्या सुना और देखा यह बात 'ठन ठन गोपाल' कहावत को परिभाषित करती है।

जनता को है हिसाब पूछने का हक

कोतमा विधायक सुनील सराफ के तीन प्रमुख मुद्दे स्वास्थ्य व्यवस्था, शिक्षा एवं क्षेत्र में रोजगार की पूर्णता रही है। जिसके लिए उन्होंने बाकायदा शपथ पत्र भी दिया था। अब समय है कि उनके कार्यकाल में हुए कामों की सार्वजनिक समीक्षा की जाए। नए चुनाव में जाने से पहले मुद्दों का आंकलन कर उनकी जमीनी हकीकत सामने लाई जाए। क्षेत्र में खराब स्वास्थ्य व्यवस्था व शिक्षा के मुद्दे को उछाल कर महीनों सियासी सुर्खियां बटोरने के बाद हुआ क्या.? लाखों रुपए खर्च करने के बाद हासिल क्या हुआ.? जनजागरण के नाम पर हंगामाई राजनीति से क्या समाधान निकला.? यह जानने

का हक आम मतदाता को है। कोतमा को स्मार्ट बनाने का सपना भी दिखाया गया। बतौर विधायक कार्य की गति प्रगति की जानकारी आमजन को दी जानी चाहिए। महज कह देने से तो कोतमा स्मार्ट नहीं बन जाने वाला। इसके दो पक्ष हैं, पहला सरकारी और दूसरा जन भागीदारी। जब कोई विधायक किसी शहर के विकास की बात करता है तो उसका आशय सरकार की योजनाओं, शासकीय मद व स्वीकृति से होता है। उसके प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते हैं, शहर की जरूरतों का जिक्र होता है। कोतमा क्षेत्र को स्मार्ट बनाने में इन सबकी क्या स्थिति है, चुनाव से पहले सामने आना चाहिए। बड़े पैमाने पर विधायक निधि का उपयोग कहां किया गया उसके फायदे जनता को मिले या नहीं, उसकी जानकारी तो कम से कम दी जानी चाहिए।

कटे पंखों के साथ लम्बी उड़ान की तैयारी

राजनीति में आजकल टांग खींचने वाली प्रतियोगिता अंतर्गत एक-दूसरे को धक्का देने वालों की कमी नहीं है। फिलहाल चुनावी समर में क्षेत्र के सभी कुर्ताधारी स्वयं को राजनीति में दक्ष बताने से बाज़ नहीं आ रहे। और मजे की बात तो यह है कि आजकल विरोधी भी एक-दूसरे के साथ मिलकर विधायकी के सफर की अपनी-अपनी ऊंची उड़ान भरने की योजना भी बना रहे हैं। फिलहाल पूर्व की ज़मीनी हकीकत के अनुरूप कौन, किसके राजनीतिक पंख काटेगा यह तो आने वाला समय तय करेगा। लेकिन मजे की बात तो यह है क्षेत्र के वर्तमान माननीय कटे पंखों के साथ ही सुपरमैन की वर्दी पहन कर लम्बी उड़ान की तैयारियां कर रहे हैं।

जनता को उपलब्ध नहीं उनके चुने विधायक

जन के ही चुने जनप्रतिनिधि जनता की ही कितनी सुनते हैं और जन के ये सेवक जनता को ही कितने सुलभ उपलब्ध हैं यह बात किसी से छुपी नहीं। अगर कभी किसी साधारण व्यक्ति ने फोन के माध्यम से सम्पर्क भी करना चाहा तो मानो उसे यह महसूस होता है कि माननीय के पीए भी अपने कई पीए रखते हैं और अगर कोई बहुत ही करीबी है तो उसे ड्राईवर साहब ही बता पाते हैं कि माननीय कब और कहां उपस्थित रहेंगे। अब भला उन्हें यह बात कौन समझाए कि आम जनता का इस तरह के वीवीआईपी रवैये से क्या लेना-देना।

जनता की उम्मीद अधूरी,वादे पूरे नहीं कर पाए विधायक

बीता कार्यकाल...लेकिन स्वास्थ्य व्यवस्था आज भी जर्जर...

शिक्षा,स्वास्थ्य एवं रोजगार के वादे के साथ जनता ने 2018 के चुनाव में क्षेत्र के विकास की जिम्मेदारी सुनील सराफ को दी थी। किंतु आज पांच वर्ष के कार्यकाल की सांझ बेला पर जनता खुद को ठगा हुआ महसूस करती है...शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर सरकार चिंतित है लेकिन क्षेत्रीय समस्याओं के लिए क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों खासकर विधायक को पहल करनी होती है...लेकिन अब क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाला दूसरे कामों में व्यस्त हो तो उसे जनता की समस्या दिखाई नहीं देती और ऐसा ही कुछ सामुदायिक अस्पताल कोतमा के साथ हुआ है जहां मरीजों को केवल भटकाव हाथ लग रहा है...

आखिर.! दिया तले अंधेरा कायम रहा

सुनील हटाओ, कोतमा बचाओ के लगे नारे...

वर्तमान कोतमा विधायक सुनील सराफ़ के लगातार हो रहे विरोध के कारण होने वाले विधानसभा चुनाव का समीकरण भी बिगाड़ता जा रहा है। वहीं चर्चा-ए-आम है कि उनके छत्ते की मधुमक्खियों को लगने लगा कि हमारी यह रानी मक्खी खुद भी गिरेगी और हमें भी कहीं का नहीं छोड़ेगी। विधायक विरोधी खेमें के कारण दो टुकड़ों में बटी कांग्रेस के आलाकमानों के लिए यह विडंबना की घड़ी है। अगर समय रहते उनके द्वारा उचित फैसला नहीं लिया गया तो वो दिन भी दूर नहीं कि उन्हें कोतमा विधानसभा की सीट से ही हाँथ धोना पड़ जाए।

कांग्रेस समन्वय समिति जी-23 का हल्लाबोल

वर्तमान विधायक के कार्यकाल से नाखुश हुए वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं और पदाधिकारियों की एक टीम जिन्होंने मिलकर कांग्रेस समन्वय समिति जी-23 का गठन किया है। इस टीम में विधानसभा के वो सभी पदाधिकारी शामिल हैं जिनकी बदौलत बीते चुनाव में सुनील सराफ़ के सर विधायक की ताजपोशी हुई थी। चूंकि बीते समय में विधायक ने अपने कार्यों से सभी को नाराज़ कर रखा है जिसकी बानगी विरोध के रूप गठित हुई नई टीम कांग्रेस समन्वय समिति या जी-23 के रूप में साफ देखा जा सकती है जो पूरे विधानसभा क्षेत्र में आज चर्चा का विषय बना हुआ है।

अवैध उत्खनन व परिवहन पर हो सकती है 05 वर्ष तक की सजा

-संवाददाता-
कोरबा, 14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिला खनिज अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार विशेष सचिव छत्तीसगढ़ शासन खनिज साधन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 7-7 / 2004 XII नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 06.09.2023 के तहत प्रदेश में रेत एवं अन्य खनिजो के अवैध उत्खनन / परिवहन / भंडारण पर माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ बिलासपुर के समक्ष दायर याचिका क्रमांक WP (PIL) ह्श्र 66 /2023 तथा याचिका क्रमांक WP(PIL) No 21/2023 में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 04.08.2023 एवं

23.08.2023 के अनुसार प्रभावी रोकथाम किये जाने हेतु महत्वपूर्ण निर्देश जारी किये है। जिला कार्यालय खनिज शाखा कोरबा द्वारा रेत एवं अन्य खनिजों के अवैध उत्खनन / परिवहन / भंडारण पर लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। जिले में अवैध उत्खनन प्रभावित एवं संवेदनशील क्षेत्रों का चिन्हांकन किया गया है। भिलाईखुर्द, मोतीसागर, बरमपुर एवं राताखार में अवैध उत्खनन / परिवहन हेतु प्रयुक्त होने वाले मार्गो को अवरुद्ध किया गया है।

जिले में अवैध उत्खनन / परिवहन प्रभावित एवं संवेदनशील क्षेत्रों (भिलाई खुर्द, मोतीसागर, बरमपुर, राताखार, भैसामुडा, तरदा, कसरेंगा एवं कुचैना) में नोटिस बोर्ड स्थापित किया गया है जिसमें खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 के तहत अवैध उत्खनन / परिवहन किये जाने पर 2 से 5 वर्ष का कारावास की सजा हो सकती है का उल्लेख किया गया है। खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 (1) एवं 21 (2) के प्रावधानों का मुनादी के माध्यम से व्यापक प्रचार प्रसार हेतु सर्व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं आयुक्त नगर निगम कोरबा को पत्र जारी किया गया है। खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 (1) एवं 21 (2) के तहत निर्धारित अधिकतम दंड जैसे 05 वर्ष / 02 वर्ष एवं अर्थदंड रूपये 5 लाख एवं प्रत्येक दिन के लिए अर्थदंड रूपये 50,000 / - प्रावधानित है। विगत वर्षो में अवैध उत्खनन / परिवहन / भंडारण में संलिप्त एवं आदतन व्यक्तियों के द्वारा पुनः अवैध उत्खनन / परिवहन / भंडारण किये जाने पर प्रकरण धारा 22 के अनुसार माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

राशन कार्डधारी हितग्राहियों का ई-केवाईसी शत-प्रतिशत पूर्ण करने समय सीमा में की गई वृद्धि

अब 30 तक करा सकेंगे अपना ई-केवाईसी

-संवाददाता-
कोरबा, 14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

भारत सरकार के निर्देश पर ''वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना'' के तहत राशन कार्ड हितग्राहियों का शत-प्रतिशत ई-केवाईसी पूर्ण करने हेतु समय सीमा में वृद्धि करते हुए 30 सितंबर 2023 अंतिम तिथि निर्धारित किया है। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना' के पूर्ण क्रियान्वयन के लिए राशन कार्ड के सभी सदस्यों के आधार की जानकारी प्रमाणीकृत होना आवश्यक है। जिले में संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकानों को प्रदान किए गए ई-पॉस उपकरण में ई-केवाईसी की सुविधा उपलब्ध है। जहां ई-पॉस उपकरण के माध्यम से हितग्राहियों का ई-केवाईसी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ई-केवाईसी की कार्यवाही पूर्णतः निःशुल्क है। ई-केवाईसी की कार्रवाई के लिए राशन कार्ड धारक मुखिया एवं राशन कार्ड में दर्ज सभी सदस्य अपने आधार नंबर के साथ शासकीय उचित मूल्य दुकान जाकर अपना ई-केवाईसी करा सकते हैं। राशन दुकान संचालक द्वारा ई-पॉस उपकरण में प्रत्येक सदस्य के आधार नंबर की पृथक-पृथक प्रविष्टि कर उनका फिंगर प्रिंट स्कैन करवाकर ई-केवाईसी की कार्रवाई पूर्ण किया जाएगा। जिले में राशनकार्ड हितग्राहियों की कुल संख्या 11,60,825 है। वर्तमान में 7,88,983 राशनकार्ड हितग्राहियों ने संबंधित उचित मूल्य दुकान संचालक के माध्यम से अपना ई-केवाईसी पूर्ण करा लिया है। साथ ही 3,71,842 राशन कार्ड धारक सदस्यों का ई-केवाईसी होना लंबित है। जिला खाद्य अधिकारी ने ई-केवाईसी के छुटे हुए कार्डधारियों से जल्द से जल्द उचित मूल्य दुकान में जाकर ई-पॉस उपकरण के माध्यम से अपना ई-केवाईसी पूर्ण कराने का अपील कि है।

कूलर आलमारी के नाम पर है फर्म बोर उत्खनन हैडंपंप सबमर्सिबल पंप भी सप्लाई कर दिया

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां, 14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत देवाडाड के सचिव और सरपंच के बडे बडे कारनामे सामने आया रहे हैं सूचना के अधिकार से प्राप्त जानकारी मे एक मामला आया कि ग्राम पंचायत में हैडंपंप खनन का कार्य बोरवेल के कार्य करने वाले के द्वारा हैडंपंप खनन का कार्य किया जाता है। देवाडाड ग्राम पंचायत में प्राप्त बिल से ये प्रामाणित हो रहा है कि हैडंपंप खनन का कार्य का बिल कूलर आलमारी बेचने वाले दुकानदार का उपयोग कर राशि आहरण किया गया है ग्राम पंचायत देवाडाड के सरपंच सचिव एवं दुकानदार के मध्य सांठगांठ का खेल यूं तो बरसों से चला आ रहा है मगर इन दिनों मामला फिर से चर्चा में है। फर्म कूलर स्टील आलमारी से संबंधित है मगर ग्राम पंचायत देवाडाड मे हैडंपंप खनन का बिल लगाया गया है और हैडंपंप सप्लाई किया गया है।

जबकि हैंडपंप खनन करने वाले बोरवेल वालो के खनन का रजिस्ट्रेशन लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग में होता है एवं जीएसटी नंबर आदि के तहत इनके द्वारा खनन का कार्य किया जाता है ग्राम पंचायत देवाडाड मे जिस फर्म का खनन बिल लगाया गया है वो फर्म कूलर आलमारी पंखा आदि की है और उसका बोरवेल खनन का फर्जी बिल लगाकर राशि भी आहरण कर ली गई है।मजे की बात तो ये भी है कि लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग का इंजिनियर भी इस बिल के तहत एमबी भी कर दिया है इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग के अधिकारी कितने सजग है उन्हें अपने कमीशन से मतलब है चाहे कुछ भी लिखा लो कुछ भी करा लो इससे ऐसा प्रतीत होता है कि सथल का भी अधिकारी ने निरीक्षण नहीं किया गया होगा।

निर्माण में इस्तेमाल कि गई सामग्री अपनी गुणवत्ता खुद बयां कर रही हैं कि हैडंपंप की समाग्री कि गुणवत्ता में किस कदर अनियमितता बरती गई और घटिया सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया। नियमों को भी ताक पर रख कर गुपचुप तरीके से सरपंच और फर्म संचालक के मध्य सांठगांठ के कई और किस्से व कारनामे सामने आये हैं जो यह साबित करने के लिए पर्याप्त है कि सरपंच से इसकी सॉलिड सेटिंग है। दरअसल, यह फर्म एक कूलर आलमारी से संबंधित है और पूरे सभी ग्राम पंचायतों में बोरवेल, खाद, सामग्री, प्रोफाइल सीट, राड सीमेंट जेसीबी ट्रेकटर आदि काम पर दिए जाते हैं और कूलर आलमारी सप्लाई करने का काम करने वाला कैसे इन सभी समाग्रियों को सपलाई करता है जबकि जीएसटी नंबर के लिए कूलर आलमारी का रजिस्ट्रेशन नंबर लिया गया है और दूसरी समाग्री की सपलाई कर रहा हर समाग्री का जीएसटी अलग अलग रहता है जिस फर्म संचालक के द्वारा इन समाग्रियों का बिल दिया जा रहा है उन्हें ये समाग्री बेचने का जीएसटी नंबर नहीं लिया गया है और गलत और फर्जी बिल लगा कर फर्म, संचालक और सरपंच साठगांठ कर शासन के जीएसटी की चोरी कर शासन के राजस्व कि हानि कर आपना लाभ अरजित कर रहे हैं। सरपंच देवाडाड ने ऐसा बिल प्रस्तुत किया है जो कि चौंकाने वाला हैं जिस फर्म का बिल प्रस्तुत किया गया है वहां संस्था कूलर आलमारी की है जिससे हैडंपंप और सबर्मसिबल पंप पाइप तक सप्लाई करना बताया है। जबकि यह फर्म इलेक्ट्रीकल की नहीं है यहां कूलर आलमारी आदि की फर्म है।

इस तरह के बिलों को अधिकारी नहीं देखते...

कार्यालय में बैठे अधिकारी इस तरह के फर्जी बिलों की जाच करनी चाहिए कि ये बिँल किस फर्म के द्वारा किस समाग्री बिक्री करने का जीएसटी नंबर लिया गया है और जो बिल लगाया गया है उस फर्म को समाग्री बिक्री करने का अधिकार है उस समाग्री बिक्री का जीएसटी नंबर है मगर कार्यालय में बैठे अधिकारी को इतनी फुर्सत कहा जो ये सब जाच करें उन्हें तो सिर्फ अपने हिस्से दारी से मतलब है?

क्या देखकर ग्राम पंचायत में विभागीय आडिट किया जाता है ?

क्या आडिट करने वाले अधिकारी को ये बिल जिनमें सपष्ट भ्रष्टाचार किया जाना और सरकार के राजस्व की हानि होना प्रमाणित होने के बाद और अधिकारी के सामने कैशबुक बिल भाउचर होने के बाद भी किसी प्रकार की कोई कमी नहीं निकाली जाती है सब कुछ सही कर अपनी जेब गरम कर रहे हैं और सरकार एवं जनता के टैक्स के पैसों का धडल्ले से बंदरबांट किया जा रहा है। इस संम्बंध मे ग्राम पंचायत के सचिव के मोबाइल नंबर से संपर्क कर जानकारी लेने की कोशिश की गई उनका मोबाइल नंबर बंद आ रहा है।

राजस्व मंत्री ने रानी धनराज कुंवर देवी स्वास्थ्य केन्द्र में सोनोग्राफी मशीन का किया शुभारंभ

-संवाददाता-
कोरबा, 14 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने विगत दिवस कोरबा के रानी धनराज कुंवर शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार हेतु सोनोग्राफी मशीन का शुभारंभ किया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कोरबा जिले के लोगों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। पूर्व में जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कटघोरा, पाली में सोनोग्राफी मशीन का संचालन होने से क्षेत्र की जनता को सोनोग्राफी का लाभ मिल रहा था। अब रानी धनराज कुंवर देवी शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सोनोग्राफी की सुविधा प्रारंभ होने से कोरबा तथा आस-पास क्षेत्र की जनता को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि आगे भविष्य में इस चिकित्सालय में एक्स-रे की सुविधा के साथ ही अन्य सुविधाओं का विस्तार होगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.एस.एन.केसरी ने बताया कि रानी धनराज कुंवर देवी शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सोनोग्राफी की सुविधा प्रारंभ होने से कोरबा शहरी क्षेत्र तथा आस-पास के क्षेत्र की जनता को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि निजी चिकित्सा संस्थानों में सोनोग्राफी का दर अधिक होने के कारण आम जनता को काफी दिक्कते होती थी। अब केंद्र में सोनोग्राफी की सुविधा मिलने से आंतरिक बीमारियों से ग्रसित व्यक्ति तथा गर्भवती महिलाओं को अपने गर्भस्थ शिशु की स्थिति जानने के लिए निजी चिकित्सकों के पास नहीं जाना पड़ेगा। इससे क्षेत्र की जनता को आसानी से यह सुविधा मिलेगी जिससे उनकी समय और धन की बचत होगी। इस अवसर पर जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. कुमार पुष्पेश, खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपक राज, डॉ. राकेश अग्रवाल, चिकित्सा अधिकारी, पी.जी.एम.ओ. रेडियोलॉजी, श्री भुवनेश्वर राज सहित गणमान्य नागरिक तथा चिकित्सालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

घोषणा पत्र

मैं राजेश कुमार अग्रवाल आ. स्व. टेकचंद अग्रवाल, उम्र लगभग 52 वर्ष, जाति अग्रवाल, निवासी म.नं. 128, पंचमंदिरपारा, भैयाथान रोड सूरजपुर, थाना, तहसील एवं जिला-सूरजपुर (छ0ग0) की निवासी हूँ।

मेरे कुछ दस्तावेजों में मेरा नाम राजेश मित्तल एवं कुछ दस्तावेजों में राजेश अग्रवाल अंकित है। इस कारण मैं अपने राजेश मित्तल एवं राजेश अग्रवाल के नाम का त्याग करता हूँ तथा मुझे एकमात्र नाम राजेश कुमार अग्रवाल के नाम से जाना जावे ।

सील — हस्ताक्षर राजेश कुमार अग्रवाल

घोषणा पत्र

मैं शारदा देवी अग्रवाल पति राजेश कुमार अग्रवाल, उम्र लगभग 48 वर्ष, जाति अग्रवाल, निवासी म.नं. 128, पंचमंदिरपारा, भैयाथान रोड सूरजपुर, थाना, तहसील एवं जिला-सूरजपुर (छ0ग0) की निवासी हूँ।

मेरे कुछ दस्तावेजों में मेरा नाम शारदा मित्तल एवं कुछ दस्तावेजों में शारदा अग्रवाल अंकित है। इस कारण मैं अपने शारदा मित्तल एवं शारदा अग्रवाल के नाम का त्याग करती हूँ तथा मुझे एकमात्र नाम शारदा देवी अग्रवाल के नाम से जाना जावे ।

सील — हस्ताक्षर शारदा देवी अग्रवाल

आम सूचना

सर्व संबंधितों को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाधान निर्धारण प्राधिकरण छत्तीसगढ़ दिनांक 30/05/2020 से आवेदक श्री परंजय जायसवाल झुमरपारा मेजर्स परंजय जायसवाल ब्रिक्स अर्थ कल्वे कलवारी एंड फि क्स चिमनी ब्रिक्स एलॉट कम 489 एस-ई-आई-ए-ए छत्तीसगढ़ ब्रिक्स 1139 नया रायपुर अटल नगर रकबा कुल क्षेत्रफ्ल 1.58 हेक्टर खसरा 267/588/590/597 में 1199970 नाग प्रतिवर्ष निर्माण हेतु पर्यावरण सम्मति 10 वर्ष हेतु प्रदान की गई है -

अतः जन सम्मान हेतु सूचना प्रेषित है।

प्रो0 परंजय जायसवाल

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) सूरजपुर,जिला-सुरजपुर. (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./ /अ-2/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-गजाधरपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती दिलकुवर माथुर पति रविन्द्र कुमार जाति-गोसाई, निवासी ग्राम-गजाधरपुर, तहसील लटोरी जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा उनके स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम-गजाधरपुर, प.ह.नं.-37 रा.नि.मं,-लटोरी, तहसील-लटोरी, स्थित स्वयं के खाते की भूमि खसरा क्र. 355/1 रकबा 0.170 में से 0.030 हे. कृषि भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन, के लिए भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिध के माध्यम से दिनांक 19/09/2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 04/09.2023 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — विशेष कर्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

लखनपुर दिनॉक 04/09/2023

प्रति,

समस्त ग्रामवासी
ग्रामः-तिरकेला
तहसीलः-लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक तुलाराम आ0 स्व0 फुलसाय निवासी ग्राम तिरकेला तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (पिता) स्व0 फुलसाय की मृत्यु दिनॉक 10/05/2010 को हो जाने से (जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म/मृत्यु रिज0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनॉक 22/09/2023 को सूनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथी 22/09/2023 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनॉक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

सील — तहसीलदार लखनपुर

CMYK

टीम इंडिया का स्टार खिलाड़ी फिट

» बांग्लादेश के खिलाफ मिल सकता है मौका

नई दिल्ली, 14 सितंबर 2023। भारतीय टीम एशिया कप 2023 के फाइनल में पहुंच चुकी है। लेकिन अभी एक और मुकाबला होना बाकी है। फाइनल 17 सितंबर को खेला जाएगा, इससे पहले 15 सितंबर को भारत और बांग्लादेश के बीच मैच होना है। वैसे तो इस मैच का कोई महत्व नहीं है। टीम इंडिया जीतेगी तो उसके छह अंक हो जाएंगे, वहीं अगर बांग्लादेश ने जीत दर्ज की तो उनके पास दो अंक हो जाएंगे, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। इस बीच बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले से पहले भारतीय टीम के लिए एक गुड न्यूज आई है। टीम इंडिया का स्टार खिलाड़ी अब लगता है कि फिट हो गया है, ऐसे में बांग्लादेश के खिलाफ मैच में उसे खेलने का मौका प्लेइंग इलेवन में मिल सकता है।

श्रेयस अय्यर ने टीम इंडिया के लिए एशिया कप 2023 में केवल दो ही मैच खेले हैं। इसमें से एक में तो उनकी बल्लेबाजी ही नहीं आई और दूसरे में आई भी तो उनका बल्ला नहीं चला। टीम इंडिया ने एशिया कप में अपने अभियान का आगाज पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलकर किया था। भारतीय टीम की बल्लेबाजी हो गई, लेकिन इसी बीच बारिश आई और उसके बाद मैच बराबरी पर खत्म हो गया। पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में श्रेयस अय्यर ने 9 गेंद पर 14 रन बनाए और आउट हो गए। नेपाल के खिलाफ खेले गए दूसरे मुकाबले में उनकी बल्लेबाजी नहीं आई, क्योंकि रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने ही जरूर रन जुटा लिए। इसके बाद जब सुपर 4 में भारत और पाकिस्तान मैच की बारी आई तो श्रेयस अय्यर फिर चोटिल हो गए और उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर जाना पड़ा। उनकी जगह केएल राहुल की एंट्री होती है और उन्होंने शानदार शतक लगाकर बेहतरीन कमबैक किया। इसके बाद श्रीलंका के मैच में भी वे नहीं खेल पाए। लेकिन अब पता चला है कि वे ठीक हो गए हैं।

भारत और बांग्लादेश के बीच हुए मुकाबले से पहले जब भारतीय टीम प्रैक्टिस के लिए उतरी तो श्रेयस अय्यर भी नजर आए। इससे लगता है कि वे अब ठीक हो गए हैं। वैसे भी बांग्लादेश के खिलाफ होने वाला मुकाबला बहुत ज्यादा अहम नहीं है, क्योंकि टीम इंडिया ने पहले ही फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। ऐसे में इस मुकाबले में कुछ खिलाड़ियों को रेस्ट देने के बारे में सोचा जा सकता है। चाहे केएल राहुल या फिर ईशान किशन। ईशान किशन वैसे तो सलामी बल्लेबाज हैं, लेकिन अब अब वे मिडल आर्डर में भी फिट हो गए हैं। ऐसे में इन दोनों में से किसी एक को रेस्ट देकर श्रेयस अय्यर को एक बार फिर से मौका दिया जाए तो ताज्जुब नहीं होना चाहिए। वैसे भी श्रेयस अय्यर करीब आठ महीने बाद भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं, ऐसे में उन्हें भी मैच प्रैक्टिस की जरूरत है और इससे ये भी पता चलेगा कि वे पूरी तरह से फिट हैं कि नहीं। वे विश्व कप के टीम इंडिया स्क्वाड में भी शामिल हैं।

हरमनप्रीत कौर बनीं टाइम 100 नेक्स्ट 2023 लिस्ट में जगह बनाने वाले एकमात्र भारतीय क्रिकेटर

नई दिल्ली, 14 सितंबर 2023। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर 2023 टाइम 100 नेक्स्ट में जगह बनाने वाले एकलौती भारतीय क्रिकेटर बन गई हैं। हरमनप्रीत ने विराट कोहली, रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या और केएल राहुल जैसे स्टार क्रिकेटरों को पीछे छोड़ते हुए टाइम 100 लीडर्स लिस्ट में जगह बनाई है।

वहीं दुनियाभर के 100 उभरते लीडर्स के नाम की लिस्ट टाइम 100 नेक्स्ट 2023 लिस्ट जारी की है। टाइम ने अपनी 100 लिस्ट में उन लोगों को शामिल किया है। जो भविष्य में आने वाली पीढ़ी को प्रोत्साहित करेंगे।

हरमनप्रीत कौर को टाइम 100 लिस्ट की इनोवेट कैटेगरी में जगह मिली है। टाइम 100 की इस लिस्ट में हरमनप्रीत कौर के अलावा जालेन हर्ट्स, एंजेल रीज, रोनाल्ड एक्यूना जूनियर, रोज झांग, सलमा पारलुएलो और सोफिया स्मिथ जैसी एथलीट शामिल हैं।

बता दें कि, हरमनप्रीत कौर ने अपनी कप्तानी में भारतीय महिला टीम को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उन्होंने 6 साल पहले 2017 में वीमेंस वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 115 गेंदों में 171 रन की पारी खेलकर खुद को साबित किया था। इसके साथ कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में हरमनप्रीत कौर ने भारतीय टीम का नेतृत्व करके फाइनल में जगह बनाई। वहीं इसी साल विमेंस प्रीमियर लीग के डेब्यू सीजन में उनकी कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने खिताब अपने नाम किया।

एशियाई खेलों के लिये भारतीय टीम में छेत्री एकमात्र जाना माना नाम

नई दिल्ली, 14 सितंबर 2023। अनुभवी स्ट्राइकर सुनील छेत्री हांगझोउ एशियाई खेलों के लिये चुनी गई दूसरे दर्जे की भारतीय टीम में एकमात्र जाना माना नाम है जबकि मुख्य कोच इगोर स्टिमक का जाना अभी तय नहीं है। अधिकांश क्लबों ने 21 सितंबर से शुरू हो रही एशियाई खेलों की फुटबॉल स्पर्धा के लिये भारतीय टीम में चुने गए 22 खिलाड़ियों को रिलीज करने को लेकर अनिच्छा जताई है क्योंकि उसी दौरान आईएसएल भी खेला जाना है। एआईएफएफ अध्यक्ष और भाजपा नेता कल्याण चौबे ने मंत्रालय से लंबी बातचीत के बाद टीम भेजने पर स्वीकृति हासिल की थी क्योंकि एशियाई खेलों में भाग लेने के सरकार के मानदंडों पर फुटबॉल टीम खरी नहीं उतरती थी।

लंबी बातचीत के बाद एआईएफएफ ने दोयम दर्जे की टीम चुनी है जिसमें मूल 22 में से नौ ही खिलाड़ी हैं। बाकी सभी क्लबों के अनुभवहीन खिलाड़ी हैं। चीन रवानगी से तीन दिन पहले ही टीम का ऐलान हो सका है। मुख्य कोच स्टिमक का हांगझोउ जाना अभी तय नहीं है। उन्होंने पहले कहा था कि एशियाई खेल उनकी प्राथमिकता है। भारत को 19 सितंबर को चीन से, 21 सितंबर को बांग्लादेश और 24 सितंबर को म्यामां से खेलना है। छह समूहों में से शीर्ष दो प्री क्वार्टर फाइनल में जायेंगी। तीसरे स्थान की शीर्ष चार टीमें भी अंतिम 16 में होंगी। टीम = गुरमीत सिंह, धीरज सिंह मोइरांगथेम, सुमित राठी, नरेंदर गेहलोत, अमरजीत सिंह कियाम, सैमुअल जेम्स, राहुल केपी, अब्दुल रहीम अंजुकंदन, आयुष देव छेत्री, ब्राइस मिरांडा, अजफर नूरानी, रहीम अली, विंसी बरेटो, सुनील छेत्री, रोहित दानू, गुरकीरत सिंह, अनिकेत जाधव।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए होना है टीम इंडिया का ऐलान

कैसा हो सकता है स्क्वायॅड

नई दिल्ली, 14 सितंबर 2023। टीम इंडिया इस वक्त एशिया कप 2023 खेल रही है। भारतीय टीम ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है और 17 सितंबर को फाइनल खेलने की तैयारी भी शुरू हो गई है। फाइनल में कौन सी टीम से भारत का मुकाबला होगा, ये तय होना बाकी है, लेकिन फाइनल से पहले टीम इंडिया बांग्लादेश के खिलाफ सुपर 4 का आखिरी मैच भी खेलेगी। इसमें बैंच पर बैठे कुछ प्लेयर्स को मौका दिया जा सकता है। इस बीच विश्वकप के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है, लेकिन इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक वनडे सीरीज भी होनी है, इसमें क्या स्क्वाड होगा, इसके बारे में अभी तय नहीं है। लेकिन माना जा रहा है कि जल्द ही इसके लिए भारतीय टीम का ऐलान किया जा सकता है। वनडे विश्व कप 2023 से पहले 22 सितंबर से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जानी है। विश्व कप की तैयारियों के लिए टीम इंडिया के पास ये आखिरी मौका होगा। एशिया कप का फाइनल 17 सितंबर को होगा और 22 सितंबर से इस सीरीज का आगाज होगा। ऐसे में इसके लिए बीसीसीआई की ओर से जल्द ही टीम इंडिया का ऐलान किया जा सकता है। वैसे तो माना जा रहा है कि विश्व कप के लिए जो टीम चुनी गई है, वही टीम इस सीरीज में भी खेलेगी, एक दो बदलाव हो सकते हैं, लेकिन बीसीसीआई की ओर से जब तक टीम का ऐलान न कर दिया जाए, तब तक पक्के तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता।

एशिया कप के लिए जो टीम है, करीब करीब वही टीम विश्व कप के लिए भी चुनी गई है। एशिया कप में सभी खिलाड़ी दमदार प्रदर्शन कर रहे हैं, चाहे बल्लेबाज हों या फिर गेंदबाज। ऐसे में किसी भी खिलाड़ी पर इस वक्त अंगुली नहीं उठ रही है। हां, इतना जरूर है कि अगर किसी खिलाड़ी को रेस्ट दिया गया तो ही बदलाव होगा, नहीं तो इसकी जरूरत नहीं है। जहां एक ओर ये सीरीज विश्व कप की तैयारी के लिए जरूरी है, वहीं कोई भी टीम नहीं चाहेगी कि विश्व कप से पहले इस सीरीज में कोई खिलाड़ी चोटिल होकर बाहर हो जाए, इसलिए खास ध्यान रखा जा रहा है। देखना दिलचस्प होगा कि बीसीसीआई की ओर से इसके लिए कब टीम का ऐलान किया जाएगा और पूरा स्क्वाड क्या होगा। भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के लिए ऐसी हो सकती है टीम इंडिया = रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, केएल राहुल, ईशान किशन, हार्दिक पांड्या (उपकप्तान), रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मो. शमी, मो. सिराज।

मीराबाई चानू पर स्नैच में 90 किग्रा वजन उठाने का दबाव बढ़ा

टोक्यो, 14 सितंबर 2023। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू वर्षों से महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में प्रबल दावेदार रही हैं लेकिन स्नैच में 90 किग्रा का वजन उठाने वाले भारोत्तोलकों की बढ़ती तादाद बढ़ती जा रही है । जिससे मणिपुर की इस खिलाड़ी पर इस वजन तक पहुंचने का दबाव बढ़ता जा रहा है।

सात भारोत्तोलक स्नैच वर्ग में 90 किग्रा या इससे ज्यादा का वजन उठा चुकी हैं जिसमें से पांच इस मौजूदा ओलंपिक चक्र में ही शामिल हैं। मीराबाई 2019 से ही स्नैच में इस वजन को उठाने के लिए काम कर रही हैं लेकिन पिछले चार वर्षों में दो प्रयासों में वह विफल रही हैं। पहला प्रयास उन्होंने फरवरी 2020 में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में और फिर पिछले साल बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में किया। स्नैच में उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 88 किग्रा ही रहा है जिससे उनके और उनके प्रतिद्वंद्वियों के बीच अंतर प्रत्येक टूर्नामेंट में बढ़ता ही जा रहा है। चीन की तोक्यो ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता होऊ झिहुई और दो बार की विश्व चैम्पियन जियांग हुईहुआ टूर्नामेंट में लगातार 90 किग्रा से ज्यादा का वजन उठा रही हैं।

दो साल के प्रतिबंध के बाद वापसी करने वाली थाईलैंड की भारोत्तोलक थान्याथोन सुकचारोएन और सुरोदचना खाम्बाओ की वापसी से प्रतिस्पर्धिता और बढ़ गयी है। दोनों ने इस साल मई में एशियाई चैम्पियनशिप में स्नैच में 90 किग्रा का भार उठाया। यूरोपीय चैम्पियन रोमानिया की मिहाएला वालेंटिना काम्बेई (92 किग्रा) और उत्तर कोरिया की रि सोंग गम (91 किग्रा) दो अन्य एथलीट हैं जिन्होंने स्नैच में 90 किग्रा से ज्यादा का वजन उठाया है। चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर से शुरु होने वाले एशियाई खेल इस स्टार भारतीय भारोत्तोलक के लिए स्नैच में 90 किग्रा का वजन उठाने का शानदार मौका होगा।

भारत के मुख्य कोच विजय शर्मा ने पीटीआई-से कहा, ''हम एशियाई खेलों में स्नैच में 90 किग्रा का वजन उठाने का लक्ष्य बनाये हैं। हम काफी समय से इस लाइन को पार करने की कोशिश कर रहे हैं। '' क्लीन एवं जर्क में मीराबाई अपने प्रतिद्वंद्वियों के बराबर हैं, हालांकि इस वर्ग में उनका 119 किग्रा का विश्व रिकॉर्ड इस महीने विश्व चैम्पियनशिप में हुईहुआ ने 120 किग्रा का भार उठाकर तोड़ दिया। लेकिन स्नैच में प्रदर्शन से उनका कुल वजन कम होता गया।

पूर्व विश्व चैम्पियन ने इस साल एशियाई खेलों को प्राथमिकता दी हुई है क्योंकि उनकी ट्राफियों की कैबिनेट में सिर्फ इसी पदक की कमी है। एशियाड में भारोत्तोलन के 'पावरहाउस' जैसे चीन और थाईलैंड भी हिस्सा ले रहे हैं जिससे मीराबाई को हांगझोउ में पोडियम स्थान हासिल करने के लिए अपने खेल में सुधार करना होगा।

आस्ट्रेलिया ने किया नेकगार्ड पहनना अनिवार्य

मेलबर्न, 14 सितंबर 2023। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने अपने सभी अंतरराष्ट्रीय और घरेलू खिलाड़ियों के लिये एक अक्टूबर से नेकगार्ड (गले की सुरक्षा के लिये उपकरण) पहनना अनिवार्य कर दिया है ।

वर्ष 2023 . 24 की खेलने की नयी शर्तों और नियमों के तहत आस्ट्रेलिया के क्रिकेटर को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तेज या मध्यम तेज गेंदबाजों का सामना करते हुए नेकगार्ड पहनना जरूरी है । दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात सितंबर को पहले वनडे के दौरान कैगिसो रबाडा का बाउंसर कैमरन ग्रीन के गले में लगने के बाद यह फैसला लिया गया । गेंद ग्रीन के हेलमेट में फिक्स नेकगार्ड पर टकराई और उन्हें कनकशन (सिर की चोट) के कारण बाहर जाना पड़ा ।सीए के इस फैसले का डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ जैसे खिलाड़ियों पर असर पड़ेगा जो इसे पहनने से परहेज करते आये हैं । यह नियम स्पिनरों का सामना करते हुए या विकेटकीपरों और करीबी फील्डरों पर लागू नहीं होगा।

कनाडा ने इटली को हराया

अमेरिका के अलावा ब्रिटेन और चेक गणराज्य भी जीते

कनाडा, 14 सितंबर 2023। कनाडा ने डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल्स के ग्रुप चरण में इटली को 3-0 से हराया जबकि अमेरिका, ब्रिटेन और चेक गणराज्य ने भी जीत से शुरुआत की। खिताब की बचाव की कोशिश में जुटे कनाडा के लिए एलेक्सिस गालारनियू, गैब्रियल डियालो ने बोलोगना में अपने मुकाबले जीते जिसके बाद गालारनियू ने वासेक पोस्पिसिल के साथ मिलकर युगल मुकाबला भी अपने नाम किया। कनाडा ने पिछले साल फाइनल में आस्ट्रेलिया को हराया था। दोनों टीम ने सीधे फाइनल्स के ग्रुप चरण के लिये क्वालीफाई किया था। आस्ट्रेलिया को इंग्लैंड में मैनचेस्टर में ब्रिटेन से 1-2 से हार मिली। आस्ट्रेलिया ने दोनों एकल मैच गंवा दिये। अमेरिका ने मेजबान क्रोएशिया को 2-1 से शिकस्त दी। चेक गणराज्य ने स्पेन के वालेंसिया में स्पेन पर 3-0 से जीत हासिल की जो विम्बलडन चैम्पियन कार्लोस अल्काराज के बिना खेल रही है।

अजय देवगन ने किया सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म का ऐलान

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म दृश्यम 2 में नजर आए थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की थी। इस फिल्म के बाद से अजय देवगन किसी फिल्म में नजर नहीं आए हैं और फैंस उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अजय देवगन की पाइपलाइन में कई फिल्में हैं। फिलहाल, अजय देवगन के फैंस के लिए खुशखबरी है क्योंकि उनकी अगली फिल्म की रिलीज डेट सामने आई है। अजय देवगन की इस सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म का टाइटल अभी सामने नहीं आया है। आइए जानते हैं कि अजय देवगन की सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म कब सिनेमाघरों में रिलीज होगी और इसमें उनके साथ कौन-कौन से स्टार्स नजर आएंगे।अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्टर शेयर कर अपनी सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म का अनाउंसमेंट किया है। अजय देवगन ने कैप्शन लिखा है, कुछ चीजें एक अलौकिक मोड़ लेने वाली हैं। विकास बहल के डायरेक्शन में बनने वाली एक दिलचस्प थ्रिलर में मैं, आर माधवन और ज्योतिका की तिकड़ी का गवाह बनूंगा। फिल्म 8 मार्च,2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अजय देवगन के साथ इस फिल्म में आर माधवन और ज्योतिका भी नजर आएंगे। इस फिल्म के अनाउंसमेंट फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं और इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अजय देवगन, आर माधवन और ज्योतिका की इस फिल्म से गुजराती एक्ट्रेस जानकी बोदीवाला बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। इस सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म का निर्माण अजय देवगन, ज्योति देशपांडे, कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक कर रहे हैं। अजय देवगन की वर्क फ्रंट की बात तो वह पिछली बार दृश्यम 2 नजर आए थे। अक्षय कुमार की पाइपलाइन में मैदान, सिंघम अगेन, औरो में कहां दम था जैसी फिल्मों में काम करते नजर आएंगे। अजय देवगन के फैंस उनकी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार हैं।

मलयालम फिल्म कत्तानार की पहली झलक देख ली तो भूल जाएंगे जेलर,केजीएफ और पुष्पा को

केजीएफ और पुष्पा के बाद अब एक नई फिल्म इंडियन बॉक्स ऑफिस पर तूफान लाने की तैयारी में जुट गई है. जी हां...आज हम जिस फिल्म की बात करने जा रहे हैं, उसकी पहली झलक के आगे जवान का पूरा का पूरा ट्रेलर कुछ भी नहीं है. साउथ मूवी की पहली झलक देख लोग हैरान रह गए हैं और सोशल मीडिया पर सिर्फ एक ही सवाल कर रहे हैं, अरे भाई ये क्या बना दिया... एक बार फिर बेहतरीन सिनेमैटिक एक्सपीरियंस फिल्म कत्तानार- द वाइल्ड सॉरसरर में देखने को मिलने वाला है.

मलयालम फिल्म कत्तानार- द वाइल्ड सॉरसरर की पहली झलक का वीडियो सोशल मीडिया पर रिलीज कर दिया गया है. पहली झलक में एक शख्स नजर आता है जो कुछ लोगों के शिकायत कर रहा है कि उन्हें बेवकूफ बनाया जा रहा है. फिर परत-दर-परत रहस्यों से पर्दा उठता है. कत्तानार फिल्म की पहली झलक ही दिमाग को सुन्न करने के लिए काफी है. कत्तानार फिल्म का निर्देशन रोजिन थॉमस कर रहे हैं. फिल्म साल 2024 में एक या दो नहीं बल्कि 14 भाषाओं में रिलीज की जाएगी. जिसमें इंग्लिश, तमिल, तेलुगु, हिंदी, बंगाली, कन्नड़, चाइनीज, फ्रेंच, कोरियन, इटैलियन, रशियन, इंडोनेशियन और जैपनीज में रिलीज करने की प्लानिंग है.

कत्तानार फिल्म में स्टार जयसूर्या लीड रोल में नजर आने वाले हैं. साथ ही इस फिल्म में बाहुबली फेम एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी और विनीत भी दिखाई देंगे. रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म का बजट 90 करोड़ रुपए है. लेकिन जिस तरह का कहानी में दम और वीएफएक्स का इस्तेमाल कत्तानार की पहली झलक में देखने को मिल रहा है, वैसा तो 600 करोड़ के बजट वाली प्रभास की आदिपुरुष में भी नहीं था. रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म को एक 4000 स्कायर फीट के स्टूडियो में शूट किया जा रहा है, जो खास तौर पर कत्तानार के लिए ही तैयार किया गया है.

वेस्टर्न ही नहीं एथनिक में भी बवाल लगती हैं नोरा फतेही, फोटोज देख लट्टू हुए फैंस

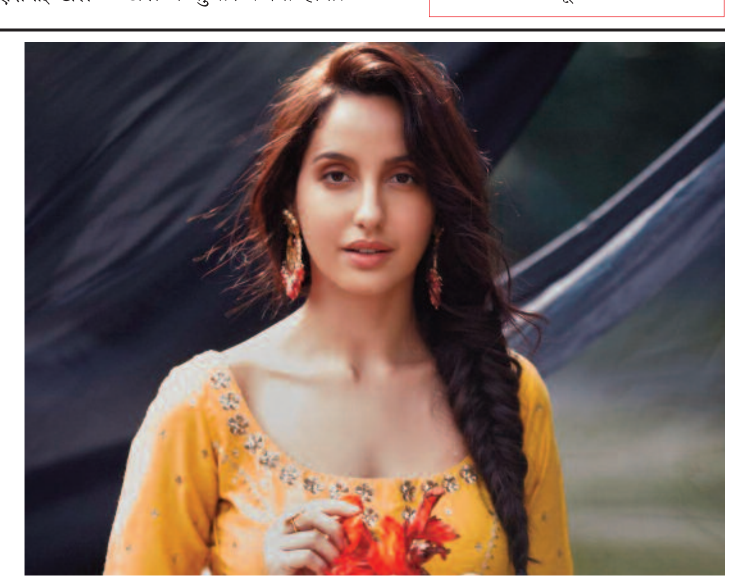

बॉलीवुड की फेमस डांसर और अभिनेत्री नोरा फतेही आए दिन अपने बहतरीन लुक्स से इंटरनेट पर बिजलियां गिराती रहती हैं। लेटेस्ट तस्वीरों में एक्ट्रेस ने सिंपल सी साड़ी पहन कर एक बार फिर से सोशल मीडिया पर लाइमलाइट लूट ली है। इन तस्वीरों में उनकी कातिलाना अदाएं देखकर फैंस के दिलों पर खंजर चल गए हैं। डांसिंग क्वीन नोरा फतेही ने हाल ही में अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों से फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में नोरा फतेही ने ग्रीन कलर की बनारसी लुक में साड़ी पहनी हुई है,साथ ही डीपनेक ब्लाउज से अपने लुक को टिम अप किया हुआ है। ओपन हेयर, कानों में झुमकें और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस नोरा फतेही ने अपने लुक को अच्छे से निखारा है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। इन तस्वीरों में नोरा फतेही का खूबसूरत और कातिलाना अंदाज देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं। नोरा फतेही ने इन तस्वीरों को क्लिक करवाते हुए एक से बढ़कर एक कातिलाना पोज दिए हैं। बता दें कि नोरा फतेही सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। साथ ही लाइफ से जुड़ी हर एक अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती हैं। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि नोरा ने एक बार फिर अपने लुक से लाइमलाइट लूट ली है।

रायगढ़ में पीएम मोदी का चुनावी शंखनाद

» विजय शंखनाद रैली को संबोधित किया प्रधानमंत्री मोदी ने

रायगढ़, 14 सितम्बर 2023(ए)। रायगढ़ में पीएम मोदी विजय शंखनाद रैली को संबोधित किए। इससे पहले सरकारी कार्यक्रम के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ विकास की दिशा में एक और बड़ा कदम उठा रहा है। आज छत्तीसगढ़ को 6 हजार करोड़ से अधिक की रेल परियोजनाओं का उपहार मिल रहा है। आज यहां सिलसेल कॉउंसिलिंग कार्ड भी बांटे गए हैं।

आप सभी ने देखा है कुछ दिन पहले जी-20 सम्मेलन में बड़े-बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्ष भारत आए थे, सभी भारत के गरीब कल्याण के कामों से प्रभावित हो कर गए हैं। बड़े-बड़े देश भारत से सीखने की बात कर रहे हैं। हमें मिलकर देश को आगे बढ़ाना है। छत्तीसगढ़ और रायगढ़ का यह इलाका भी इसका गवाह है। मेरे परिवारजनों छत्तीसगढ़ हमारे के लिए देश के पॉवर हाउस की तरह है। देश को ऊर्जा तभी मिलेगी जब पॉवर हाउस पूरी क्षमता के साथ काम करेगा। आज छत्तीसगढ़ के रेल नेटवर्क का नया इतिहास लिखा जा रहा है। जो अन्य रेला लाइनें बन रही है उससे प्रदेश का औद्योगिक विकास होगा। इससे रोजगार के नए-नए अवसर पैदा होगा। केंद्र सरकार के प्रयासों से देश के पॉवर हाउस के रुप में छत्तीसगढ़ की पॉवर कई गुना बढ़ती जा रही है। कम से कम मूल्य पर कोयला उत्पादन करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे बिजली की दरें कम हो। आने वाले समय में देश में ऐसे प्रोजेक्ट की संख्या और बढ़ेगा। देश को विकसित बनाना है। यह काम तभी पूरा होगा जब विका समें देश के हर नागरिक की भागीदारी होगी। विकास के साथ पर्यावरण की भी चिंता करना है। सूरजपुर के कोयला खदान को इको टूरिज्म के रुप में विकसित किया जा रहा है। कोरबा में भी इसी तरह का प्रयास किया जा रहा है।

बीजेपी की टोपी पहने लोगों ने छलकाए जाम

» परिवर्तन यात्रा का वीडियो वायरल

रायपुर, 14 सितम्बर2023(ए)। चुनाव से पहले भाजपा ने दंतेवाड़ा से परिवर्तन यात्रा शुरू की है। इस यात्रा का मकसद सरकार तमाम मुद्दों को घेरना है. लेकिन इस यात्रा का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है. जिसमें ये देखा जा रहा है कि, भाजपा के कुछ लोग जिनके गले में भाजपा का गमझा और सिर में टोपी है और वे शराब की बॉटल खोलकर जाम झलका रहे हैं. अब इस मामले को लेकर कांग्रेस ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला है. कांग्रेस ने ट्वीट कर कहा, जारी है भाजपा की पैग बाटन यात्रा।बीजेपी लगातार शराबबंदी की मांग करते आई है. इतना ही नहीं शराबबंदी को लेकर भाजपा के तमाम बड़े नेताओं ने कांग्रेस को घेरने के लिए कई बार धरना प्रदर्शन भी किया है. ऐसे में शराब पीने का वीडियो सामने आने के बाद सवाल खड़े होने लगे हैं कि, जो लोग शराबबंदी की बात करते हैं, वही सरेआम जाम झलका रहे हैं।

मुख्यमंत्री निवास बना महिलाओं का मायका

रायपुर, 14 सितम्बर2023(ए)। महिलाएं आज घर और बाहर दोनों ही मोर्चे पर अपनी भूमिका बखूबी निभा रही है। घरेलू और सार्वजनिक जीवन में महिलाएं कामयाब है। बस्तर में दंतेश्वरी फाईटर की महिलाएं सर्च ऑपरेशन में जाती है, ऐसा ट्रूप बना है, जो नक्सलियो से मोर्चा ले रही हैं। छत्तीसगढ़ की महिलाएं जागरूक है और वे सक्रियता के साथ सभी गतिविधियों में भाग लेती हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास में आयोजित तीजा-पोरा तिहार को संबोधित कर रहे थे। इस खास मौके पर प्रदेश की बहनों के लिए आज मुख्यमंत्री निवास मायका बन गया था और तीजा-पोरा तिहार में महिलाएं जमकर झूमी। इस खुशी में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सपरिवार शामिल हुए और बहनों को तीजा का उपहार भी दिया। साथ ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सपरिवार भगवान शंकर और माता पार्वती की पूजा की। उन्होंने पोरा के अवसर पर खेती-किसानी की समृद्धि के लिए हल और नंदी बैल की पूजा कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री बघेल सपरिवार तिहार में शामिल महिलाओं से मुलाकात की और सांस्कृतिक कार्यक्रमों, झूला और छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का स्वाद लेते हुए आनंद उठाया।

मुख्यमंत्री ने तीजा-पोरा त्यौहार को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में इससे हम अपने त्यौहारों को और खुशहाली और उत्साह के साथ मना पा रहे हैं। श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने किसान न्याय योजना, श्रमिक हितैषी योजनाओं, गोधन न्याय योजना सहित विभिन्न

जो भी अतिथि आते हैं, महिलाओं को लेकर उनकी धारणाएं बदली है। छत्तीसगढ़ की महिलाएं जागरूक है और वह सक्रियता के साथ सभी गतिविधियों में भाग लेती हैं। इसलिए जब आप प्रदेश की सारी योजनाएं देखेंगे तो पाएंगे कि इन्हें महिलाओं को केंद्र में रखकर बनाई गई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने तीजा, विश्व आदिवासी दिवस, कर्मा जयंती, छेरछेरा पुन्नी जैसे विशेष अवसरों को और आनंदित बनाने के लिए शासकीय अवकाश दिया है। योजनाओं के माध्यम से लगभग 1 लाख 75 हज़ार करोड़ सीधे प्रदेशवासियों के खाते में भेजी गई है। जिससे प्रदेश का सभी वर्ग समृद्ध हुआ है। उन्होंने कहा कि तीजा के अवसर पर ऐसा मानते है कि जब महिलाएं मायके जाती है तब बारिश होती है। आप देख रहे हैं कि पिछले दो-तीन दिन से अच्छी बारिश हो रही है। यह खुशी की बात है कि पिछले 5 सालों में हमारे प्रदेशवासियों को अकाल-दुकाल का सामना करना नहीं पड़ा है।

रेल मंडल के अधिकारी अलर्ट

हुई सीबीआई की एंट्री, 3 करोड़ से ज्यादा के खेल की हुई थी शिकायत

रायपुर/भिलाई, 14 सितम्बर 2023(ए)। रायपुर रेल मंडल के पीपी यार्ड में हुए लंबे खेल में अब सीबीआई की दबिश के बाद पूरे रेल मंडल में हड़कंप मचा हुआ है. मंगलवार से भिलाई के पीपी यार्ड में सीबीआई के तीन अधिकारियों की टीम ने दबिश दी है।

सूत्रों के मुताबिक वहां अधिकारी दस्तावेजों की जांच कर रहे है. आज बुधवार को भी टीम वहां अधिकारियों से पूछताछ कर रही है. सीबीआई की एंट्री के बाद सूचना है कि विजिलेंस के उच्च अधिकारी भी आज सुबह भिलाई पहुंच गए है. ये पूरा मामला एक शिकायत के बाद जांच तक पहुंचा है.

पीपी यार्ड में गुड्स कोच और रैक का मेंटेनेंस होता है. इससे जुड़े ही दस्तावेजों को सीबीआई की टीम खंगाल रही है. सीबीआई के अधिकारी गुड्स मेंटेनेंस की प्रक्रिया भी जानकारी ले रही है.

ऐसा दावा किया जा रहा है कि गुड्स ट्रेन कोच और रैक के मेंटेनेंस के मामले में कार्य एजेंसी से जितने में अनुबंध हुआ है, रेलवे के अफसरों ने उससे अधिक राशि का बिल प्रस्तुत किया गया है. सूत्रों का दावा है कि इसमें करीब 3 करोड़ से अधिक की गड़बड़ी की आशंका जताई है. जिसकी शिकायत सीबीआई के पास पहुंची थी और इसी के आधार पर ये जांच शुरू हुई है।

करोड़ों का ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाला खाईवाल गिरफ्तार

16 मोबाइल और लैपटॉप जब्त

बिलासपुर, 14 सितम्बर 2023(ए)। बिलासपुर पुलिस द्वारा सटोरियों के खिलाफ शिकंजा कसा जा रहा है। जिसके तहत एक और बड़ी कार्रवाई की गई है। करोड़ों के ऑनलाइन सट्टा खेलने-खिलवाने वाले खाईवाल को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। आरोपी के कब्जे से 16 मोबाइल, 1 लैपटॉप, 1 सैमसंग टी.वी, 1 लाइन पेटी, 2450 नकदी रकम, 1 सोनी रिकॉर्डर, 1 कैलकुलेटर जिसकी किमती 84050 रूपये के साथ 1 करोड़ रूपये से अधिक की सट्टा लेन-देन के दस्तावेज बरामद किए गए।

पुलिस सूत्रों से मिला जानकारी के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपी बड़े पैमाने पर सट्टा लेन-देन में शामिल था। पाकिस्तान और बंगलादेश के मध्य एशिया कप वनडे मैच में ऑनलाइन सट्टा खेल रहा था। यह मामला सरकंडा थाने में दर्ज किया गया है, जिसमें छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिशेध अधिनियम 2022 के तहत कार्यवाही की गई। आरोपी राजकिशोर नगर में ठहरा हुआ था और वहां से ऑनलाइन सट्टा खेलने का अपना कार्यक्रम चला रहा था। वहीं बताया जा रहा है कि आरोपी का नाम सागर चेतवानी, आरोपी की आयु- 22 वर्ष, पता - राजकिशोर नगर, थाना सरकण्डा, जिला बिलासपुर से है।

R.O.No.749

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)